युगानुकूल

जनवरी 2024 मूल्य 25 रुपए

नवरचना

विकास के अनुकरणीय मॉडल आपके द्वार

शरदोत्सव का महाकुंभ

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

सेवा के 60 दिन अविराम
लक्ष्य हमारा जन कल्याण

मोदी जी की हर गारंटी को पूरा कर रही मध्यप्रदेश की डबल इंजन सरकार

मध्यप्रदेश सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बताए गए मार्ग पर चलते हुए गरीबों के कल्याण, किसानों के सम्मान, युवाओं के उत्थान और महिलाओं के स्वाभिमान के लिए पूर्ण रूप से समर्पित और कृत संकल्पित हैं।

-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

गरीब कल्याण

- विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से 50 लाख से अधिक शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित लोग लाभांवित
- पीएम जन-मन योजना से जनजातीय समाज को शासकीय योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित। विशेष पिछड़ी जनजाति बहुल जिलों में रु. 7300 करोड़ से आंगनवाड़ी केन्द्र, छात्रावास, सड़कें, पुल और आवासों के निर्माण का निर्णय
- 56 लाख से अधिक हितग्राहियों को रु. 681 करोड़ की सामाजिक सुरक्षा पेंशन का अंतरण
- स्वामित्व योजना में 1.75 लाख ग्रामीण नागरिकों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भू-अधिकार पत्र वितरित

शिक्षा एवं रोज़गार

- प्रधानमंत्री जी द्वारा रु. 170 करोड़ की लागत से खरगोन में क्रांतिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा
- प्रत्येक जिले में एक शासकीय महाविद्यालय का पीएम उत्कृष्टता महाविद्यालय के रूप में उन्नयन का निर्णय
- आगर-मालवा में नया विधि महाविद्यालय, सागर में रानी अवंती बाई लोधी विश्वविद्यालय तथा गुना में तात्या टोपे विश्वविद्यालय की स्थापना का निर्णय
- मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा में 28.9% सकल नामांकन के साथ अनुपात में राष्ट्रीय औसत से आगे निकला
- रोज़गार दिवस के अंतर्गत रिकॉर्ड 7 लाख से अधिक युवाओं को रु. 5 हजार करोड़ से अधिक का स्व-रोज़गार ऋण वितरित
- स्टार्ट-अप्स को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में सहभागिता के लिए वित्तीय सहायता
- अग्निवीर योजना के लिये युवाओं को 360 घंटे प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया गया

महिला सशक्तिकरण

- प्रदेश की 1.29 करोड़ लाड़ली बहनों को रु. 3152 करोड़ की सहायता का अंतरण
- आहार अनुदान योजना में विशेष पिछड़ी जनजाति की 1.97 लाख बहनों को रु. 59 करोड़ की सहायता
- 45 लाख से अधिक बहनों को गैस सिलेंडर रीफिलिंग के लिए रु. 118 करोड़ का अंतरण

स्वास्थ्य

- दूरस्थ क्षेत्रों के गंभीर मरीजों के लिये मुख्यमंत्री एयर एम्बुलेंस सेवा शुरू करने का निर्णय
- सागर, शहडोल, नर्मदापुरम, धार, झाबुआ, मण्डला, बालाघाट, श्योपुर और खजुराहो में नये आयुर्वेदिक महाविद्यालयों की स्थापना का निर्णय

किसान कल्याण

- श्रीअन्न को बढ़ावा देने के लिए रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना में मिलेट्स उत्पादक किसानों को रु. 1000 प्रति क्विंटल का अतिरिक्त प्रोत्साहन
- शून्य ब्याज दर पर ऋण योजना को जारी रखने का निर्णय

अधोसंरचना विकास

- पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना की स्वीकृति से चंबल और मालवा के 13 जिलों के 3 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई में वृद्धि से लगभग 1.5 करोड़ आबादी को मिलेगा लाभ
- रु. 10 हजार करोड़ की लागत से 724 कि.मी. लंबी 24 सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास। व्यापार, कृषि, पर्यटन, उद्योग, तीर्थाटन को बढ़ावा
- ग्वालियर-बेंगलुरु, ग्वालियर-अहमदाबाद और ग्वालियर-दिल्ली-अयोध्या विमान सेवा प्रारंभ
- इंदौर में रु. 350 करोड़ लागत से निर्मित होने वाले एलिवेटेड कॉरिडोर से मिलेगी आमजन को सुविधा
- उज्जैन में एक नये अत्याधुनिक एयरपोर्ट की स्थापना का निर्णय
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मध्यप्रदेश के विकास को गति देने के लिए रु. 7550 करोड़ की नई परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

आध्यात्मिक अभ्युदय

- 1450 कि.मी. लम्बे श्रीराम वन पथ गमन के निर्माण का निर्णय
- ओरछा में भव्य श्रीराम राजा लोक का होगा निर्माण
- उज्जैन में भव्य रूप से विक्रमोत्सव के आयोजन का निर्णय
- मुख्यमंत्री हेली पर्यटन योजना के माध्यम से विभिन्न पर्यटक स्थलों एवं धार्मिक स्थलों पर हेलीकॉप्टर प्रारंभ करने का निर्णय

मध्यप्रदेश शासन

संस्थापक
नानाजी देशमुख

प्रबन्ध सम्पादक
अमिताभ वशिष्ठ

सम्पादक
राजेश दुबे

आवरण सज्जा एवं लेआउट
लक्ष्मी नारायण शुक्ला
अंशुमान सिंह
सतीश मालवीय

विशेष सहयोग
आशीष सक्सेना

प्रकाशक
अभय महाजन
दीनदयाल शोध संस्थान के लिए
7-ई, स्वामी रामतीर्थ नगर, रानी झांसी मार्ग, झण्डेवाला एक्स., नई दिल्ली-110055 से प्रकाशित
दूरभाष : 23526735
ईमेल : dridelhi@dri.org.in
info@dri.org.in

मुद्रक :
प्रितिका प्रिंटर्स
ए-21/27, नारायण इण्ड. एरिया
दिल्ली-110028

'भारत रत्न' राष्ट्रऋषि नाना जी के 107वें जन्म दिवस पर चित्रकूट में त्रिदिवसीय शरदोत्सव कार्यक्रम 5

उद्यमिता विद्यापीठ में कृषि छात्रों को अचार बनाने का दिया गया प्रशिक्षण 17

डॉ. राधाकृष्णन के 136वें जन्म दिवस पर शैक्षणिक प्रकल्पों में हुआ विविध कार्यक्रमों का आयोजन 21

केवीके एवं जेएसएस ने विकसित भारत संकल्प यात्रा का किया आयोजन 54

नवोन्मेषी कौशल विकास को बढ़ावा देने नेशनल स्किल डेवलपमेंट कार्पोरेशन के मुख्य कार्यकारी ... 18
राष्ट्रीय खेल दिवस पर रामनाथ आश्रमशाला विद्यालय में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित 20
आईटीआई एवं जेएसएस के दीक्षांत कार्यक्रम में छात्रों एवं प्रशिक्षणार्थियों को दिया गया प्रमाण पत्र 24
पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की 107वीं जयंती पर चित्रकूट में हुए कई कार्यक्रम 27
जन शिक्षण संस्थान द्वारा स्वच्छता शपथ और स्वच्छता श्रमदान 29
ग्रामोदय पखवाड़ा के अर्न्तगत स्वच्छता अभियान के साथ मनाई गई गांधी जी एवं शास्त्री जी की जयंती 30
वीरांगना रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती पर दीनदयाल शोध संस्थान ने किये कई आयोजन 32
उद्यमिता विद्यापीठ में मनाया गया समग्र क्रांति प्रणेता लोकनायक जयप्रकाश नारायण 37
'भारत रत्न' नानाजी देशमुख की 107वीं जयंती पर दीनदयाल शोध संस्थान में "ग्रामोदय पखवाड़ा" 38
तुलसी कृषि विज्ञान केन्द्र में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का दो दिवसीय प्रशिक्षण 39
जन शिक्षण संस्थान में कौशल दीक्षांत समारोह का आयोजन 40
शिक्षित लोगों के जीवन से भारतीय जीवनमूल्य मिट रहे हैं 42
सरदार पटेल की जयंती पर जन शिक्षण संस्थान ने किये कई कार्यक्रम 44
दीनदयाल शोध संस्थान ने विशाल रैली निकालकर लोगों को मतदान के लिए किया जागरूक 47
शिक्षकों की स्किल और मैनेजमेंट क्वालिटी में इजाफा करने हुआ प्रशिक्षण 51

चंद्र के अमृत के रूप में शरद पूर्णिमा के दिन हुआ था विराट पुरुष नानाजी का अवतरण

रामराज्य में वर्णित नागरिक कल्याण और महात्मा गांधी की कल्पना के ग्राम स्वराज्य को अपने पुरुषार्थ, दूरदृष्टि और प्रभावी कार्यान्वयन द्वारा धरातल पर उतारने वाले विराट व्यक्तित्व का नाम है 'भारत रत्न' नानाजी देशमुख। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के व्रती स्वयंसेवक, सुप्रसिद्ध समाजसेवी और राष्ट्रऋषि की संज्ञा से विभूषित नानाजी का जन्म शरद पूर्णिमा के दिन 11 अक्टूबर, 1916 को हुआ था।

साल के 365 दिन में चंद्रमा की सर्वाधिक श्रेष्ठ छटा और श्रेष्ठ शीतलता शरद पूर्णिमा के दिन ही मिलती है और अमृत वर्षा होती है। बड़ा संयोग है कि चंद्र के अमृत के रूप में शरद पूर्णिमा के दिन ऐसे अतुल्य व्यक्तित्व के धनी विराट पुरुष नानाजी का अवतरण शरद पूर्णिमा के दिन हुआ। उनके जन्म दिवस को देश भर में जोर शोर से मनाया जाता है।

"मैं अपने लिए नहीं, अपनों के लिए हूं" इस ध्येय वाक्य पर चलते हुए नानाजी ने दबे पिछड़े लोगों के विकास को प्रतिबद्ध इस महान सामाजिक निर्माता की दूर दृष्टि सोच ने विकास को एक नया आयाम दिया। नानाजी ने वैसे तो पूरे भारत के कई राज्यों में गांवों की तकदीर व तस्वीर बदल दी लेकिन उन्होंने अपनी कर्मभूमि का केंद्र बनाया भगवान राम की तपोस्थली चित्रकूट को। नानाजी का मानना था कि जब अपने वनवासकाल के प्रवास के दौरान भगवान राम चित्रकूट में आदिवासियों तथा दलितों के उत्थान का कार्य कर सकते हैं तो वे क्यों नहीं, अतः नानाजी चित्रकूट में ही जब पहली बार 1989 में आए तो यहीं बस गए और बदल डाली गांवों की तस्वीर।

धर्म नगरी चित्रकूट के विकास को कई आयामों के साथ जोड़कर देश-दुनिया को स्वावलम्बन का संदेश देने वाले राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख के जन्म दिन शरद पूर्णिमा से प्रारम्भ होने वाले तीन दिवसीय पारम्परिक एवं समकालीन कला की सांस्कृतिक संध्या ''शरदोत्सव'' प्रत्येक वर्ष एक नई छाप छोड़ रहा है। राष्ट्रीय स्तर के इस सांस्कृतिक आयोजन को लेकर चित्रकूट क्षेत्र के आम जनमानस को बड़े बेसब्री से इसका इंतजार रहता है।

शरद पूर्णिमा की रात्रि पर चंद्रमा पृथ्वी के सबसे निकट होता है और वह अपनी सोलह कलाओं से परिपूर्ण रहता है। इस रात्रि में चन्द्रमा का ओज सबसे तेजवान और ऊर्जावान होता है। इस रात चन्द्रमा की किरणों से अमृत तत्व बरसता है, चन्द्रमा अपनी पूर्ण कलाओं के साथ पृथ्वी पर शीतलता, पोषक शक्ति और शांति रूपी अमृत वर्षा करते हैं। चांद की उज्ज्वल किरणें जब फसलों, पेड़-पौधों, पेय एवं खाद्य पदार्थो में पड़ती हैं तो इनमें अमृत्व का प्रभाव आ जाता है और ये जीवनदायिनी होकर जीव-जगत को आरोग्य प्रदान करती है। इस दिन खीर का विशेष महत्व होता है। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है–**पुष्णामि चौषधिः सर्वाः सोमो भूत्वा रसात्यमकः।।** "मैं रसस्वरूप अर्थात अमृतमय चंद्रमा होकर सम्पूर्ण औषधियों को, वनस्पतियों को पुष्ट करता हूँ।" चन्द्रमा की अमृत वर्षा का लाभ हर मानव को मिले इसी उद्देश्य से राष्ट्रऋषि नानाजी के जन्म दिवस पर शरद पूर्णिमा की चांदनी में चित्रकूट के आमजन के सहयोग से प्रसाद रूप में तैयार अमृतमयी खीर का वितरण हजारों लोगों को किया जाता है।

'भारत रत्न' राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख का जीवन ही त्याग और प्रेरणा का एक पूरा अध्याय है। एक ऐसा व्यक्तित्व जिसने सबको अपना बनाया, जिसका सम्मान विरोधी भी उतना ही करते थे जितना खुद उनके अपने संगठन और विचार परिवार के लोग। समाज के प्रेरणा पुंज नानाजी की न जाने कितनी कहानियां-किस्से हैं, जिन्हें सुनकर इस व्यक्तित्व की सादगी सरलता का प्रमाण मिलता है। वैभव को त्यागकर समाज को प्रेरणा देने का काम नानाजी देशमुख ने किया है। समाज और देश की सेवा करने वाले व्यक्ति पूज्य हो जाते हैं। नानाजी ने अपने कार्यों से देश के सामने अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है। विराट व्यक्तित्व को उनकी 107वीं जन्म जयंती पर कोटि -कोटि नमन्।

– अमिताभ वशिष्ठ

'भारत रत्न' राष्ट्रऋषि नाना जी के 107वें जन्म दिवस पर चित्रकूट में त्रिदिवसीय शरदोत्सव कार्यक्रम

समस्त चित्रकूट वासियों के सहयोग से 'भारत रत्न' नानाजी देशमुख के जन्म दिवस शरद पूर्णिमा के अवसर पर पारम्परिक एवं समकालीन कलाओं पर केन्द्रित त्रिदिवसीय शरदोत्सव का आयोजन 28 से 30 अक्टूबर तक आनंद पूर्वक संम्पन्न हुआ।

प्रथम दिवस

28 अक्टूबर 2023

प्रथम दिवस का शुभारम्भ कामदगिरि मुखारविंद के अधिकारी श्री मदन गोपाल दास जी महाराज, जानकी महल आश्रम के महंत श्री सीता शरण दास जी, सती अनुसुइया आश्रम के संत श्री पवन बाबा, दिगंबर अखाड़ा के महंत श्री दिव्य जीवन दास जी एवं रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय विश्वविद्यालय झांसी के कुलपति डॉ. ए. के. सिंह, अटारी जबलपुर के निदेशक डॉ. एस.आर.के. सिंह, महात्मा गांधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. भरत मिश्रा, झांसी से डॉ. सुशील चतुर्वेदी, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र, रतलाम के समाज सेवी श्री मोहनलाल मुरली वाला, पद्मश्री उमाशंकर पांडे, समाजसेवी श्री चूड़ामणि सिंह, दिल्ली से डॉ. अमित गोस्वामी, समाजसेवी श्री वीरेंद्र चतुर्वेदी द्वारा राष्ट्रऋषि नानाजी के चित्र के समक्ष पुष्पार्चन व दीप प्रज्ज्वलन के साथ विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित कर हुआ। इस अवसर पर दीनदयाल शोध संस्थान के प्रधान सचिव श्री अतुल जैन, संगठन सचिव मा. श्री अभय महाजन जी, कोषाध्यक्ष श्री वसंत पंडित जी तथा महाप्रबंधक श्री अमिताभ वशिष्ठ जी मार्गदर्शक के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. रामनारायण त्रिपाठी संचालक गायत्री शक्तिपीठ चित्रकूट द्वारा किया गया। 'भारत रत्न' नानाजी देशमुख जब तीन दशक पूर्व चित्रकूट आए थे तब पानी क्षेत्र की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक था। उस समय नानाजी ने गांव के लोगों के पुरुषार्थ और श्रम साधना से ही जल संरक्षण की दिशा में कई उल्लेखनीय कार्य

करके दिखाए थे। शरद पूर्णिमा पर उनके 107वें जन्म दिवस पर शरदोत्सव कार्यक्रम के मंच से अतिथियों द्वारा बुंदेलखंड के हमीरपुर में 70 एकड़ में प्रस्तावित दुनिया के पहले जल विश्वविद्यालय के लिए अवधारणा पत्रक का विमोचन करके उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

सुरेंद्रपाल ग्रामोदय विद्यालय के पूर्व छात्र सुभद्र देव सिंह द्वारा रचित पुस्तक 'स्वातंत्र्य सरोवर के पद्म' का विमोचन भी मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया।

भजन व लोकगीतों की भाव–विभोर प्रस्तुति

प्रथम दिवस की सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ श्री रवि सिंह एवं श्री राजाराम पाण्डेय की प्रस्तुतियां **"गाइये गणपति गजवन्दन"**, **"सीताराम बोल पंछी सीताराम बोल"**, **"अनुपम माधुरी जोड़ी हमारी श्याम श्यामा की"** भजनों से हुई। उसके बाद अम्रता देवी एवं नम्रता देवी की जोड़ी ने **'हम कथा सुनाते राम सकल गुण धाम की'** प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

फिर सुश्री स्नेहा पाण्डेय व खुशी पाण्डेय के भजन "छाप तिलक सब छीनी" ने सभी श्रोतागणों को भाव-विभोर कर दिया. सा रे गा मा पा की प्रतिभागी रही मानसी पाण्डेय द्वारा "हनुमान लला मेरे प्यारे लाल सुकुमार लला", "राम लक्ष्मण जानकी जय बोलो हनुमान की", "चदरिया झीनी रे झीनी" भजन की शानदार प्रस्तुति दी। अंत में सुप्रसिद्ध भजन गायक सोनू तिवारी मुंबई और पवन तिवारी टीकमगढ़ ने मंच संभाला। श्री सोनू तिवारी ने "आये गोवर्धन गिरधारी", "राम नाम आधार सुने जो जग में राह बनाते है, जिन पर कृपा करें राम जी पत्थर भी तर जाते हैं", "एक बार जो रघुवर की नजरों का इशारा हो जाये" आदि भजनों से दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

गायक–गायिकाओं द्वारा देर रात्रि तक एक के बाद एक भजनों से नाना जी को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

प्रथम दिवस की सांस्कृतिक संध्या का आभार व्यक्त करते हुए दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने कहा कि लोक संस्कृति, लोक कलाओं और अन्य लोक विद्याओं को सुरक्षित रखा जा सके इसी उद्देश्य से शरदोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस प्रयास में चित्रकूट क्षेत्र की जनता जनार्दन के सहयोग से दीनदयाल शोध संस्थान का यह आयोजन पारम्परिक सांस्कृतिक कलाओं को मंच प्रदान कर उसे गौरवान्वित कर क्षेत्रीय लोगों को आनंद और सुख प्रदान करते हुए सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने का माध्यम है।

शरदोत्सव की खीर–प्रसाद पाते हुए जन मानस

द्वितीय दिवस

29 अक्टूबर 2023

नृत्य–नाटिकाओं एवं लोकनृत्यों की मन–मोहक प्रस्तुति

शरदोत्सव के दूसरे दिन पूज्य महंत सन्तोषी अखाड़ा श्री रामजी दास महाराज, श्री रामबेटा जी कुशवाहा मा. संघचालक जिला सतना, गोपाल भाई जी अखिल भारतीय समाज सेवा संस्थान, श्री राजाबाबू पाण्डेय राष्ट्रीय रामायण मेला, समाजसेवी श्री राजेन्द्र त्रिपाठी, श्री शानू गुप्ता एवं श्री वसंत पण्डित जी कोषाध्यक्ष दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा मंच पर उपस्थित होकर दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए गायत्री शक्ति पीठ के डॉ. रामनारायण त्रिपाठी जी ने कहा कि शरद पूर्णिमा के अवसर पर चित्रकूटधाम में शरदोत्सव मनाने की छटा अनुपम है। शरद पूर्णिमा के दिन नानाजी का अवतरण हुआ। उन्होंने सत्ता व वैभव को त्यागकर समाज को प्रेरणा देने का काम नानाजी देशमुख ने किया है। समाज और देश की सेवा करने वाले व्यक्ति पूज्य हो जाते हैं। नानाजी ने अपने कार्यों से देश के सामने अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है।

दूसरे दिन के कार्यक्रमों में लोकनृत्यों की धूम रही। जिसमें भारत की सांस्कृतिक परम्पराओं को एक सूत्र में बांधने और देश की एकता में लोकनाट्यों की गंभीर भूमिका और पौराणिक आस्थाओं को केन्द्र में रखकर हुये इन लोकनाट्यों में आंचलिकता की छाप स्पष्ट दिखाई दी। यह माना जाता है कि नृत्य अभिव्यक्ति का सबसे अच्छा माध्यम होते हैं। ऐसे में किसी राज्य की संस्कृति से रूबरू होने के लिये वहां की लोक नृत्य कलाओं को जानना सबसे अच्छा रहता है।

कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कृष्णा देवी वनवासी बालिका विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत राजस्थान का परंपरागत लोक नृत्य "घूमर"

अखिल भारतीय समाज सेवा संस्थान के तत्वावधान में बुंदेलखंड का मशहूर लोक नृत्य राई की प्रस्तुति हुई जिसमें पारंपरिक पोशाक पहने हुए महिला कलाकारों ने तबला, हारमोनियम, नगड़िया, मंजीरा, रामतूला, और लोकगीतों की थाप पर थिरकना शुरू किया तो सभागार में मौजूद दर्शक एक टक देखते रह गए।

सुरेंद्रपाल ग्रामोदय विद्यालय के बच्चों द्वारा महिषासुर मर्दिनी नृत्य नाटिका का आकर्षक प्रस्तुति की गई जिसमें बताया गया कि देवी दुर्गा ने महिषासुर नामक असुर से नौ दिनों तक युद्ध किया और दसवें दिन उसका वध किया और समाज को भयमुक्त वातावरण प्रदान किया।
महिषासुर मर्दिनी नृत्य नाटिका की भव्य वेशभूषा एवं भाव–भंगिमा ने दर्शकों के मन को छू लिया।

सुरेंद्रपाल ग्रामोदय विद्यालय के छात्रों द्वारा पिरामिड का शानदार और उत्साहित प्रदर्शन

जिसमें त्रिस्तरीय, धनुषाकार, दही हांडी, आदि रचनाओं का प्रदर्शन किया गया। गुलाटी लगाते हुए व मध्य में तिरंगा लहराते हुए छात्र ने सभागार का वातावरण राष्ट्रभक्तिमय कर दिया।

सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट द्वारा गुजरात के प्रसिद्ध लोक नृत्य "गरबा" की प्रस्तुति, जिसे मौजूद दर्शकों ने खूब सराहा।

जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय के बच्चों द्वारा योग पर आधारित शोभनीय प्रदर्शन

प्रवीण त्रिपाठी, शोभित करवरिया एवं टीम द्वारा शिव तांडव और हनुमान चालीसा नृत्य नाटिका की प्रशंसनीय प्रस्तुति

स्वामी विवेकानंद सभागार में उपस्थित सुधि दर्शक गण

तृतीय दिवस - 30 अक्टूबर 2023

वीर एवं हास्य रस युक्त काव्य पाठ

शरदोत्सव की तीसरी सांस्कृतिक संध्या पर सोमवार 30 अक्टूबर को कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ। कवि सम्मेलन में श्री अनिल मिश्रा (तेजस) निवाड़ी, श्री संजय भारत मेहरौनी, श्रीमती विभा सिंह वाराणसी, श्री रविशंकर सतना, श्री पंकज पंडित ललितपुर आदि कवियों द्वारा ओज, गीत एवं हास्य के माध्यम से श्रोताओं का मनोरंजन किया गया। शरदोत्सव की समापन संध्या का शुभारंभ महंत श्री रामहृदय जी रामायणी कुटी, महंत श्री भरतदास महर्षि वाल्मीकि आश्रम लालापुर, महंत श्री दीनदयाल दास निर्मोही अखाड़ा, प्रो. नरेन्द्र प्रताप सिंह कुलपति कृषि विश्वविद्यालय बांदा, प्रो. मुकेश पाण्डेय कुलपति बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी, डॉ. नरेश चन्द्र गौतम पूर्व कुलपति महात्मा गांधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट, प्रो. भरत मिश्रा कुलपति महात्मा गांधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट, डॉ. वी के जैन ट्रस्टी सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट, पदमश्री उमाशंकर पाण्डेय जल पुरूष, श्री सन्तोष अग्रवाल समाजसेवी, लक्ष्मीकांत जी सह विभाग कार्यवाह, बजरंग बागड़ संयुक्त मंत्री वि हि प, गोपाल भाई जी अखिल भारतीय समाज सेवा संस्थान ने दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन द्वारा किया गया।

सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ ख्यातिलब्ध कवयित्री विभा सिंह जी द्वारा सरस्वती वंदना "जय जय हे मातु शारदे" की प्रस्तुति।

कवियत्री रीना सिंह अखिल भारतीय समाज सेवा संस्थान ने अपने काव्य पाठ में 'मंद मंद अब सिसक रही मां मोक्षदायनी पग-पग में' की प्रस्तुति से कवि सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। फिर कवि सम्मेलन के संचालन की कमान संभालते हुए ओजरस के सशक्त हस्ताक्षर कवि श्री अनिल मिश्रा (तेजस) जतारा ने वीररस से परिपूर्ण काव्यपाठ प्रस्तुत किया।

'अंधियारों में दीप जलाने वाले अमर उजाले हैं, वीर शिवा की तलवारें राणा के हम सब भाले हैं, ब्रम्हा द्वारा रचित सृष्टि की रचना से प्रारम्भ हुआ, हमे गर्व है यारों हम सब धर्म सनातन वाले हैं।' उन्होंने देश के सैनिकों व शहीदों के सम्मान में कवितायें पढ़ने के साथ समसामयिक विषयों व वर्तमान राजनीति पर करारा प्रहार किया। श्री अनिल मिश्रा (तेजस) ने अपनी कविता में कहा कि "ना हो सैलाब नदियों में रवानी हो नहीं सकती, जो ना दे प्रेरणा हमको कहानी हो नहीं सकती। वतन के काम ना आए निकल जाए जो सोने में, वह कुछ भी हो परंतु जवानी हो नहीं सकती"।

पं. सुनील नवोदित कर्वी ने सर्वनाश यदि सचिव, वैद्य, गुरु प्रिय बोले भय आस। अमर हुए यह लिख मानस में बाबा तुलसीदास।। पर काव्य पाठ कर खूब तालियां बटोरीं।

बुन्देलखण्ड के गौरव कवि लाफ्टरफेम श्री संजय पांडेय भारत ने हास्य की शानदार प्रस्तुति दी। उनकी प्रस्तुति महान तीर्थ चित्रकूट की धरती पर हम आये हैं। मन्दाकिनी की कर आरती भाग्य निराले छाए हैं से शुरू कर दर्शकों को खूब लोटपोट किया। उनका मानना है कि आज लोग इतने व्यस्त और टेन्शन में रहते हैं कि उनके चेहरे से मुस्कुराहट खत्म हो गयी है। मेरा उद्देश्य हास्य व्यंग्य की कविता सुना के लोगों के चेहरे पर मुस्कुराहट लाना हैं। विंध्य की शान हास्य व्यंग्य रचनाकार श्री रविशंकर चतुर्वेदी ने अपनी हास्य रचनाओं से श्रोताओं को अडिग बना दिया 'काव्य कोई हो मनोरंजन नही है नारी के श्रंगार का अंजन नहीं है, हम जिसे चाहें इसे उसको परोसें होटलों का यह बना व्यंजन नही हैं' सुनकर श्रोताओं ने तालियों का महोत्सव बना दिया।

ललितपुर से आये वीर रस के कवि श्री पंकज पंडित ने जब ओज की रचनाएं सुनाई तो लोगों की तालियों की गड़गड़ाहट पूरे हाल में गूंजती रही। पनघट से आज पानी कौन भरना चाहता है, मरघट पे प्रथम जाकर कौन मरना चाहता है, भोजनों में भोग छप्पन चाहतें है सब मगर गांव मे खेती किसानी कौन करना चाहता है की प्रस्तुति ने शमा बांध दिया।

वाराणसी से आयी श्रृंगार की ख्यातिलब्ध कवयित्री सुश्री विभा सिंह ने सुमधुर कण्ठ से पड़े मुक्तकों से महफ़िल लूट ली। उन्होंने पढ़ा- हर

वक्त जहर पीने का एहसास दे दिया, होंठों की घनी पाँखुरी को प्यास दे दिया, दिल को सजा सजा के अयोध्या किया मगर, दुनियां ने मेरे राम को वनवास दे दिया। 'राम सीता के मनगर कहानी हैं आप, शान पुरखों के आंखों के पानी हैं आप, कोई कैसे जुदा मुझको कर पायेगा गांव मैं हूं मेरी राजधानी हैं आप' ऐसे कई गीतों के माध्यम से काव्य पाठ कर समां बांध दिया।

सांस्कृतिक संध्या शरदोत्सव के अंतिम दिन कवियों ने अपनी काव्य वाणी से लोगों को न केवल साहित्य की ताकत से रूबरू कराया, बल्कि कवियों ने वीर रस, हास्य रस और गीतों और गजलों से शरदोत्सव को यादगार बना दिया।

कार्यक्रम स्थल दीनदयाल परिसर में खाद्य एवं प्रसंस्करण इकाई (गृह विज्ञान विभाग) द्वारा मूल्यवर्धित अनाजों एवं श्री अन्न (मोटे अनाज) पोषक आहार एवं लघु उद्योग पर आधारित उद्यमिता विद्यापीठ द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन सभी अतिथियों द्वारा किया गया।

शरदोत्सव के दौरान दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा मतदान देने के लिए लोगों को जागरूक किया गया। जो करे मतदान, वो भविष्य में सुरक्षित रहेगा इंसान। मतदान करके हमे अपना फर्ज निभाना होगा, मतदान करने में देर न हो जाये इसलिए हमें जल्दी मतदान केंद्र जाना होगा। भविष्य की फिक्र अगर आपको है तो समय रहते उठें और मतदान करने जाएं। मतदान केवल हमारा लोकतांत्रिक अधिकार नहीं है बल्कि यह सम्मान से जीने का अधिकार भी है। अंगुली पर लगी स्याही सिर्फ निशान नही आपकी शान है, देश की पहचान और लोकतंत्र की जान है और आपके अधिकार का सम्मान है। ऐसे कई स्लोगन और पोस्टरों से लोगों के बीच मतदान के प्रति जन जागरण भी किया गया।

श्रद्धेय नानाजी देशमुख की जयन्ती शरद पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर मध्य प्रदेश के महामहिम राज्यपाल श्री मंगू भाई पटेल जी ने अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

श्रद्धेय नानाजी देशमुख की जयन्ती शरद पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर मध्य प्रदेश के सम्माननीय मुख्य मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आरोग्यधाम परिसर स्थित उनकी प्रतिमा पर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

इस अवसर पर दीनदयाल शोध संस्थान के प्रधान सचिव श्री अतुल जैन एवं संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने अगुआई कर पुष्प गुच्छ एवं वीरांगना रानी दुर्गावती का चित्र भेंटकर अभिनंदन किया।

समाचार झलकियाँ

TheHitavada

Chitrakoot: 'Kavi Sammelan' highlights last day of 'Sharadotsav'

A view of the Kavi Sammelan held during 'Sharadotsav' at Chitrakoot.

कवि सम्मेलन में कवियों ने किया दर्शकों का मनोरंजन, तीन दिवसीय शरदोत्सव का समापन

'मंद-मंद अब सिसक रही मां मोक्षदायनी'

चित्रकूट, एमपीजीएस न्यूज

शरदोत्सव के तीसरे दिन कवि सम्मेलन में ओज एवं हास्य कवियों ने किया दर्शकों का खूब मनोरंजन

कानपुर 9

31 अक्टूबर, 2023

शिव तांडव, राई, घूमर, चगेलिया लोकनृत्य ने मचाई धूम

नृत्य प्रस्तुत करते कलाकार।

शरदोत्सव के दूसरे दिन दिखी संस्कृति और आंचलिकता की छाप

स्वदेश

सतना - नव स्वदेश

31 Oct 2023

तीसरे दिन कवि सम्मेलन में ओज एवं हास्य कवियों ने किया दर्शकों का खूब मनोरंजन

वीर शिवा की तलवारें, राणा के हम सब भाले हैं...

मारुति एक्सप्रेस

शरदोत्सव : शिव तांडव तथा राई, घूमर, चगेलिया की प्रस्तुति रही आकर्षक का केन्द्र

उद्यमिता विद्यापीठ में कृषि छात्रों को अचार बनाने का दिया गया प्रशिक्षण

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के अन्तर्गत एकेएस विश्वविद्यालय के कृषि छात्रों को खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए किया गया प्रशिक्षित

चित्रकूट/ उद्यमिता विद्यापीठ में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत एकेएस विश्वविद्यालय सतना के कृषि संकाय के छात्रों को एग्रो बेस्ड फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री रिलेटेड प्रोग्राम के तहत सात दिवसीय अचार मेकिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम क्रमशः कई बैचों में चलाया गया। उद्यमिता विद्यापीठ, चित्रकूट की खाद्य प्रसंस्करण इकाई में 40-40 प्रशिक्षणार्थियों के इस प्रशिक्षण का शुभारंभ खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग प्रशिक्षण केन्द्र के प्राचार्य श्री मनोज सैनी एवं प्रशिक्षक श्री नत्थू प्रसाद के द्वारा किया गया।

प्राचार्य श्री मनोज सैनी ने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को अचार की विनिर्माण प्रक्रिया आवश्यक उपकरण के साथ इस व्यवसाय को कैसे शुरू करें इसकी विस्तृत जानकारी दी जा रही है। अचार बनाने का एक लाभदायक व्यवसाय है, इसके अलावा आप कम पूंजी निवेश के साथ छोटे पैमाने पर व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग ने नीति निर्माताओं का बहुत ध्यान आकर्षित करना शुरू कर दिया है, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत खाद्य एवं प्रसंस्करण उद्योग लगाने के लिए यह योजना अनुकूल है।

इस प्रशिक्षण के दौरान छात्रों को विभिन्न प्रकार के अचार बनाने की विधि एवं उनके लागत मूल्य निकालना, पैकेजिंग तथा मार्केटिंग की जानकारी दी गई। साथ ही साथ अपने स्वयं का रोजगार कैसे खड़ा करें इसके लिए प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की जानकारी भी दी गई। इस कार्यक्रम को संपन्न कराने में श्री रामदत्त पांडे, श्री मनोज सैनी, श्री नत्थू प्रसाद कुशवाहा ने सहयोग किया। इस कार्यक्रम को संचालित करने के लिए ए के एस विश्वविद्यालय सतना के डा.एस एस तोमर एवं श्री विपिन जी का सराहनीय योगदान प्राप्त हुआ।

प्रशिक्षण के दौरान कृषि आधारित और कौन-कौन से उद्योग हो सकते हैं इसके लिए उत्पादन सह प्रशिक्षण केंद्र का भ्रमण श्री रामदत्त पांडे द्वारा नियमित रूप से इन प्रशिक्षणार्थियों को कराया गया तथा उनका ज्ञानार्जन भी हुआ।

दीनदयाल शोध संस्थान, उद्यमिता विद्यापीठ, चित्रकूट में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अंतर्गत ए के एस यूनिवर्सिटी सतना से कृषि के छात्रों द्वारा एग्रो बेस्ड फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री रिलेटेड प्रोग्राम के अंतर्गत दो बैच चालीस छात्रों को सात दिनों का आवासीय पिकलमेकिंग कोर्स की ट्रेनिंग दी गई।

नवोन्मेषी कौशल विकास को बढ़ावा देने नेशनल स्किल डेवलपमेंट कार्पोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का हुआ चित्रकूट दौरा

एनएसडीसी एवं कौशल विकास मंत्रालय की टीम ने डीआरआई के प्रकल्पों का किया दौरा

चित्रकूट/ राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के सीईओ एवं एनएसडीसी इंटरनेशनल के एमडी श्री वेदमणि तिवारी तथा कौशल विकास मंत्रालय की टीम ने नवोन्मेषी कौशल विकास की दृष्टि से चित्रकूट पहुंचकर दीनदयाल शोध संस्थान के विभिन्न प्रकल्पों का अवलोकन किया। नेशनल स्किल डेवलपमेंट कार्पोरेशन, दीनदयाल शोध संस्थान के साथ मिलकर नवोन्मेषी कौशल विकास हस्तक्षेप विकसित करेगा।

दीनदयाल शोध संस्थान के प्रकल्प भ्रमण के दौरान सीईओ श्री तिवारी मझगवां स्थित कृष्णा देवी वनवासी बालिका आवासीय विद्यालय की बच्चियों से भी रूबरू हुए। वहां उन्होंने काफी देर तक वनवासी बालिकाओं से खासा बातचीत भी किये।

श्री तिवारी द्वारा सर्वप्रथम आरोग्यधाम परिसर में गोवंश विकास एवं अनुसंधान केंद्र, रसशाला, औषधि वाटिका, ओपीडी व आईपीडी, दंत विभाग का भ्रमण किया गया, वहां चिकित्सा गतिविधियों का अवलोकन के पश्चात चिकित्सकों से भी बातचीत की। फिर वहां से उद्यमिता विद्यापीठ में उत्पादन सह प्रशिक्षण इकाइयों का भ्रमण, दीनदयाल आईटीआई तथा गुरुकुल संकुल का दौरा किया। इस दौरान दीनदयाल परिसर में स्थापित पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की प्रतिमा एवं नानाजी देशमुख श्रद्धा स्थल पर उन्होंने पुष्पार्चन भी किया। उसके बाद रामदर्शन का अवलोकन किया फिर कौशल विकास मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित जन शिक्षण संस्थान चित्रकूट के परिसर में पहुंचकर वहां की प्रशिक्षण गतिविधियों से भी रुबरु हुए। उन्होंने मझगवां में कृषि विज्ञान केन्द्र का भी दौरा किया, वहां पोषक अनाज "श्री अन्न" की विभिन्न किस्मों एवं उन्नत बीजों का अवलोकन किया। इस अवसर पर उनके साथ दीनदयाल शोध संस्थान

के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन, कोषाध्यक्ष श्री वसंत पंडित एवं उप-महाप्रबंधक डॉ. अनिल जायसवाल, आरोग्यधाम के चिकित्सा प्रभारी डॉ. मिलिंद देवगांवकर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इस दौरान दीनदयाल शोध संस्थान के समाज शिल्पी दंपत्ति प्रभारी डॉ. अशोक पांडे, श्रीमती सीमा पांडे, श्री राजेन्द्र सिंह, श्री हरीराम सोनी सहित इंजी. राजेश त्रिपाठी, उद्यमिता विद्यापीठ के संयोजक श्री मनोज सैनी, दंत चिकित्सा प्रभारी डॉ. वरुण गुप्ता, आईटीआई उप-प्राचार्य श्री संजय दुबे, जन शिक्षण संस्थान के निदेशक श्री अनिल कुमार सिंह, रिसोर्स सेंटर के प्रभारी श्री विनीत श्रीवास्तव आदि प्रकल्प प्रभारियों के साथ 2 घंटे तक प्रशिक्षण गतिविधियों एवं कौशल विकास पर विस्तृत चर्चा की गई। इस मौके पर कौशल विकास मंत्रालय के निदेशक श्री एस. सी. पांडे एवं राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के प्रबंधक श्री गणेश खाडे भी साथ में रहे।

गौरतलब है कि एनएसडीसी का लक्ष्य कौशल विकास को बढ़ावा देना है। इसके अलावा, संगठन स्केलेबल और लाभदायक व्यावसायिक प्रशिक्षण पहल बनाने के लिए धन मुहैया कराता है। इसका उद्देश्य समर्थन प्रणाली को सक्षम करना भी है जो गुणवत्ता आश्वासन, सूचना प्रणाली पर ध्यान केंद्रित करती है और प्रशिक्षक अकादमियों को सीधे या साझेदारी के माध्यम से प्रशिक्षित करती है। एनएसडीसी कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने वाले उद्यमों और संगठनों को वित्त पोषण प्रदान करके कौशल विकास में उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है। यह निजी क्षेत्र की पहलों को बढ़ाने, समर्थन और समन्वय करने के लिए उपयुक्त मॉडल भी विकसित करता है। NSDC देश में कौशल प्रशिक्षण के लिये कार्यान्वयन एजेंसी है।

परमानन्द आश्रम पद्धति विद्यालय में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द की जयन्ती पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

गनीवां/ दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा संचालित परमानन्द आश्रम पद्धति विद्यालय, गनीवां चित्रकूट आवासीय व्यवस्था में रहते हुए अनुसूचित जाति एवं जनजाति के 100 छात्र-छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा प्रदान कर रहा है। विद्यालय परिसर में राष्ट्रीय खेल दिवस पर हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द जी की जयन्ती पर विद्यालय के शिक्षक श्री सन्तोष कुमार कुशवाहा द्वारा उनके जन्म दिवस के उपलक्ष्य में चित्र पर पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्ज्वलन कर छात्र-छात्राओं के समक्ष उनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया। इस दौरान कक्षा 03 से कक्षा 05 तक के छात्र-छात्राओं को सदनसः कबड्डी एवं खो-खो तथा कक्षा 01 एवं 02 के छात्र-छात्राओं को मनोरंजनात्मक खेल कुर्सी दौड़, सुई धागा, जलेबी कूद आदि की प्रतियोगिताएं सम्पन्न करायी गयी है। खो-खो प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में शारदा सदन एवं बालक वर्ग में प्रहलाद सदन विजेता रहा।

इस अवसर पर विद्यालय में अभिभावक श्री महेश प्रसाद एवं श्रीमती सुवाकली तथा विद्यालय के समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका श्री कृष्ण कुमार पाण्डेय एवं श्री संजय जी कर रहे थे। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री वरुण कुमार त्रिपाठी के द्वारा छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया गया।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर रामनाथ आश्रमशाला विद्यालय में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित

कबड्डी, खो-खो सहित कई मनोरंजनात्मक खेल कराए गये सम्पन्न

चित्रकूट/ खेल दिवस की पूर्व संध्या पर दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा संचालित रामनाथ आश्रमशाला में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न कराई गयी। सभी छात्र/छात्राओं को दो सदनों शिवाजी सदन एवं महाराणा प्रताप सदन में विभाजित किया गया एवं विभिन्न प्रतियोगिताएं कबड्डी, खो-खो सहित कई मनोरंजनात्मक खेल सम्पन्न कराए गये। प्रतियोगिता में महाराणा प्रताप सदन विजेता रहा।

इस अवसर पर संकुल प्राचार्य श्री के. के. बाजपेयी, महन्त श्री निर्भयानन्द जी महाराज बजरंग आश्रम, श्री बुधबिलास पाण्डेय, पाण्डेय ट्रेडर्स रामघाट, श्री तुषारकान्त शास्त्री, समाज सेवी श्री गजराज सिंह, शैक्षणिक अनुसंधान केन्द्र प्रभारी श्री कालिका प्रसाद श्रीवास्तव, दीनदयाल शोध संस्थान के वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री राजेन्द्र सिंह एवं डॉ. अशोक पाण्डेय उपस्थित रहे।

मेजर ध्यानचन्द जी को याद करते हुए अतिथियों द्वारा चित्र पर पुष्पार्चन के साथ दीप प्रज्ज्वलन किया गया। ध्वजारोहण के पश्चात सभी छात्रों को खेल भावना का शपथ ग्रहण श्री के.के. बाजपेयी द्वारा कराया गया। इसके पश्चात श्री तुषारकान्त शास्त्री द्वारा मेजर ध्यानचन्द जी के जीवनवृत्त को बताया गया। कार्यक्रम में रेफरी की भूमिका में महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट के बी.पी.ई. के पूर्व छात्र श्री राहुल कुशवाहा, श्री राजेन्द्र कुमार, श्री त्रिभुवन प्रसाद, श्री कार्तिकेय पाण्डेय का अविस्मरणीय सहयोग रहा। विद्यालय के प्राचार्य श्री सत्यराम यादव के द्वारा छात्रों का उत्साहवर्धन एवं अतिथियों का आभार प्रदर्शन किया गया।

डॉ. राधाकृष्णन के 136वें जन्म दिवस पर शैक्षणिक प्रकल्पों में हुआ विविध कार्यक्रमों का आयोजन

सुरेन्द्रपॉल विद्यालय, दीनदयाल आईटीआई एवं रामनाथ आश्रमशाला में शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को सम्मानित कर किया भव्य कार्यक्रम

चित्रकूट / राष्ट्र की भावी पीढ़ी को सुसंस्कृत करना, सद्गुणों से युक्त करना एक अच्छे शिक्षक का उत्तरदायित्व है। किसी भी राष्ट्र का आधार उस राष्ट्र का युवा वर्ग होता है। अगर युवा वर्ग को माता-पिता और गुरु द्वारा सही मार्गदर्शन मिले तो वह राष्ट्र की नई ऊंचाइयों को छू सकता है। एक भावी नागरिक का निर्माण करना आदर्श शिक्षक के हाथ में है। माता-पिता के बाद अगर किसी का स्थान है तो वह गुरु का है।

शिक्षक दिवस मनाने का तात्पर्य है कि शिक्षक और शिष्य को अपने-अपने कर्तव्य का बोध हो। गुरु की शिष्य के प्रति कैसी भावना होनी चाहिए और शिष्य की गुरु के प्रति कैसी श्रद्धा होनी चाहिए, इन सबका बोध कराने के लिए शिक्षक दिवस मनाया जाता है। आज की शिक्षा पद्धति में नैतिक मूल्यों का समावेश न होने के कारण शिक्षक और शिष्य दोनों अपने लक्ष्य से विमुख हो गए हैं। शिक्षक का शिष्य के प्रति कोई लगाव नहीं है और शिष्य के मन में भी गुरु के प्रति कोई आदर सत्कार की भावना नहीं है। ऐसी मूल्यविहीन शिक्षा पद्धति से देश का नुकसान हो रहा है। उपरोक्त बातें दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट के शैक्षणिक प्रकल्प में शिक्षक दिवस पर वक्ताओं द्वारा कहीं गई।

'भारत रत्न' नानाजी देशमुख द्वारा चित्रकूट में स्थापित शैक्षणिक अनुसंधान के प्रकल्प सुरेन्द्रपाल ग्रामोदय विद्यालय, रामनाथ आश्रमशाला, गुरुकुल संकुल, दीनदयाल औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, कृष्णादेवी वनवासी बालिका आवासीय विद्यालय मझगवां एवं परमानन्द आश्रम पद्धति विद्यालय गनीवॉ में शिक्षक दिवस पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन के 136वें जन्म दिवस पर शिक्षक दिवस कार्यक्रम दीनदयाल औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र चित्रकूट में आयोजित किया गया। सर्वप्रथम सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन जी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन किया गया। इस दौरान दीनदयाल औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के उप प्राचार्य श्री संजय दुबे ने कहा कि हमारी जो मानवीय संस्कृति है बच्चा जब जन्म लेता है तो जन्म से पहली गुरु मां होती है। जब वह थोड़ा बड़ा होता है तो समाज उसका गुरु होता है फिर शिक्षक उसका गुरू होता है। इसलिए जीवन के हर एक मोड़ पर जो भी व्यक्ति हमें सही दिशा दें, उचित मार्ग बताये वही गुरू होता है। जब शिक्षकों के दायित्व में अर्थ भारी होने लगता है तो शिक्षा का मूल्य कम हो जाता है। हम अपने दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा और निपुणता से करें। अच्छा शिक्षक बनने के लिए अच्छे आचरण की आवश्यकता है। वहीं रामनाथ आश्रमशाला में आयोजित कार्यक्रम में सुश्री साधना पटेल (अध्यक्षा, नगर पंचायत, चित्रकूट), श्री विनीत त्रिपाठी (पार्षद), श्री राकेश रिछारिया, श्री महेश

गुप्ता, श्री विनोद गौतम, श्री आदित्य पटेल एवं श्री लंकेश शर्मा उपस्थित रहे। शिक्षक दिवस पर आश्रमशाला परिवार के शिक्षक श्री प्रकाश प्रजापति ने सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन जी के जीवन से सभी छात्रों एवं उपस्थित गणमान्य नागरिको को परिचित कराया और कहा- "जिन्होंने अपने जन्मदिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाना उचित समझा ऐसे महापुरूष के पदचिन्हों पर चलते हुए देश की प्रगति हेतु छात्र निर्माण की दिशा में कार्य करते रहना चाहिए क्योंकि यही छात्र हमारे भारत के भविष्य को विश्व गुरु बनाने वाले हैं।" अतिथियों द्वारा विद्यालय के शिक्षकों का शाल एवं श्रीफल देकर सम्मान किया गया। विद्यालय के प्राचार्य श्री सत्यराम यादव द्वारा मा. अतिथियों एवं गणमान्य नागरिकों का आभार प्रदर्शन किया गया।

शिक्षक दिवस के अवसर पर एक अन्य कार्यक्रम सुरेंद्रपाल ग्रामोदय विद्यालय में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीधर त्रिपाठी पूर्व संकुल प्राचार्य कामतन, सचिव डॉ. अशोक पांडेय, शैक्षणिक अनुसंधान केंद्र के प्रभारी श्री कालिका प्रसाद श्रीवास्तव आदि अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा एवं सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन जी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। उसके बाद अतिथियों को रोली चंदन लगाकर पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर सुरेन्द्रपाल ग्रामोदय विद्यालय के प्राचार्य श्री मदन तिवारी द्वारा शिक्षक दिवस कार्यक्रम की प्रस्तावना को रखा गया। प्राचार्य श्री तिवारी ने सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन, डॉ. ए.पी.जे. कलाम एवं 'भारत रत्न' नानाजी देशमुख, पं. दीनदयाल उपाध्याय, स्वामी विवेकानंद जी आदि विद्वतजनों की श्रेष्ठता का बखान करते हुए नई पीढ़ी के शिक्षकों को शैक्षणिक क्षेत्र में समाजोपयोगी कुछ नये प्रयोग जिनसे बच्चों में कुछ क्रियेटीविटी उभरकर आये, करने की बात कही।

इस दौरान विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं को अतिथियों द्वारा सम्मान करते हुए उपहार प्रदान कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। शिक्षक दिवस के दिन सीनियर बच्चों द्वारा कक्षाओं में अध्ययन कराया गया।

अपने उद्बोधन में सचिव डॉ. अशोक पांडेय ने कहा कि 'गुरु देवो भवः' के आदर्श को मानने वाले देश में शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए किसी एक दिन की जरूरत नहीं, बल्कि उनका आदर तो हमेशा करना चाहिए। अध्यापक हमारे जीवन में उस सूर्य के समान हैं जिसके ज्ञान रूपी प्रकाश से हम अपने जीवन को हमेशा प्रकाशित कर सकते हैं। शिक्षक दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों का कर्तव्य बनता है कि वे अपने अध्यापकों का एक दिन के लिए नहीं अपितु जीवन भर सम्मान करें क्योंकि गुरु के द्वारा ही उसने जीवन में सफलता को प्राप्त किया है। शैक्षणिक अनुसंधान केंद्र के प्रभारी श्री कालिका प्रसाद श्रीवास्तव ने कहा कि 5 सितम्बर का दिन हमारे शिक्षकों के लिए समर्पित है। इस दिन हमें उन सभी का हार्दिक धन्यवाद करना चाहिए, जिनसे जीवन में कुछ सीखने का अवसर प्राप्त हुआ है। जिनकी छत्रछाया में बैठकर जीवन निर्माण की शिक्षा ली है। सर्वे भवन्तु सुखिनः शांति पाठ के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

धूमधाम से मनाई गई भगवान विश्वकर्मा जयंती

दीनदयाल शोध संस्थान के कर्मशाला एवं प्रयोगशालाओं में मशीनों, उपकरणों की हुई पूजा

चित्रकूट/ आदि शिल्पी भगवान विश्वकर्मा की जयंती श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के वातावरण में धूमधाम से मनाई गई। दीनदयाल शोध संस्थान के प्रकल्प उद्यमिता विद्यापीठ, दीनदयाल औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं आरोग्यधाम परिसर में स्थापित रसशाला तथा जन शिक्षण संस्थान चित्रकूट में भगवान विश्वकर्मा जयंती मनाई गई। इस दौरान दीनदयाल शोध संस्थान के सभी कर्मशाला एवं प्रयोगशालाओं में मशीनों व उपकरणों की पूजा की गई।

इस मौके पर हवन पूजन और आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। दीनदयाल आईटीआई के उप प्राचार्य श्री संजय दुबे बताते हैं कि भगवान विश्वकर्मा सृष्टि के निर्माणकर्ता हैं। अतः सभी उत्पादन सह प्रशिक्षण इकाइयों में एवं तकनीकी संस्थाओं में प्रतिवर्ष जयंती पर उपकरणों का पूजन कर कार्यक्रम किए जाते हैं।

यह कार्यक्रम उत्साह से मनाया जाता है। इस दौरान कर्मशाला और प्रयोगशाला में उपकरणों की साफ सफाई एवं सजावट की जाती है। इस अवसर पर दीनदयाल शोध संस्थान के कोषाध्यक्ष श्री वसंत पंडित भी पूजा में सम्मिलित होकर भगवान विश्वकर्मा की आरती किए। पूजन कार्यक्रम में उप महाप्रबंधक डॉ. अनिल जायसवाल, डॉ. अशोक पांडेय, इंजी. राजेश त्रिपाठी, श्री मनोज सैनी, डॉ. मनोज त्रिपाठी, श्री कुलदीप वघेल, श्री अमित श्रीवास्तव सहित संस्थान के सभी प्रकल्प प्रभारियों व प्रशिक्षण शालाओं से जुड़े कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

आईटीआई एवं जेएसएस के दीक्षांत कार्यक्रम में छात्रों एवं प्रशिक्षणार्थियों को दिया गया प्रमाण पत्र

चित्रकूट/ दीनदयाल औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं जन शिक्षण संस्थान, चित्रकूट में विश्वकर्मा जयंती पर दीक्षांत समारोह कार्यक्रम मनाया गया। दीनदयाल आईटीआई के दीक्षांत समारोह में जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति शिशिर पांडे एवं दीनदयाल शोध संस्थान के कोषाध्यक्ष श्री वसंत पंडित व आईटीआई के प्राचार्य इंजी. राजेश त्रिपाठी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

दीक्षांत समारोह कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप कुलपति श्री पांडे ने छात्रों की तकनीकी शिक्षा को बेहतर बताया और कहा कि नाना जी द्वारा स्थापित दीनदयाल औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में बहुत कुछ सीखने को मिलता है, माननीय प्रधानमंत्री जी का यही सपना है कि तकनीकी ज्ञान को आगे बढ़ाया जाए।

इस मौके पर दीनदयाल शोध संस्थान के कोषाध्यक्ष श्री वसंत पंडित द्वारा छात्रों को तकनीकी ज्ञान में आगे बढ़कर काम करने पर जोर दिया गया।

वहीं चित्रकूट के गढ़ीवा स्थित परिसर में कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित तथा दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा संचालित जन शिक्षण संस्थान चित्रकूट द्वारा कौशल दीक्षांत समारोह के अवसर पर प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की जानकारी प्रतिभागियों को प्रदान की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री पंकज अग्रवाल चेयरमैन, जिला सहकारी बैंक बांदा-चित्रकूट एवं मण्डल उपाध्यक्ष उ.प्र. उद्योग व्यापार मंडल समाजसेविका श्रीमती प्रतिभा जायसवाल, श्री कृष्ण कुमार शुक्ला तथा जन शिक्षण संस्थान के निदेशक श्री अनिल कुमार सिंह द्वारा माल्यार्पण एवं पुष्पार्चन के साथ किया गया।

जेएसएस के निदेशक श्री अनिल कुमार सिंह द्वारा संस्थान द्वारा चलाई जा रही विभिन्न रोजगार परक प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं अन्य गतिविधियों की विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई, साथ ही प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के विषय में बताया गया कि पारंपरिक शिल्पकारों एवं कामगारों को आर्थिक सुधार प्रदान कर उनके कौशल में वृद्धि करना है। इस अवसर पर श्रीमती प्रतिभा जायसवाल द्वारा बताया गया कि महिलाएं आज सशक्त एवं सफल व सजग हो रही हैं तथा सभी क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रही हैं। हम सभी का यह दायित्व है कि उन्हें सदैव सहयोगी के रूप में आगे बढ़ाने में मदद करें। अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए श्री पंकज अग्रवाल ने कहा कि सरकार का उद्देश्य इस योजना के माध्यम से पारंपरिक कौशल वाले लोगों को सहयोग प्रदान करना तथा उन्हें नई तकनीकी प्रदान करने के साथ-साथ उनके विपणन एवं वितरण में सहयोग प्रदान करना है जिससे उनकी बाजार में सुलभता एवं वित्तीय संभावनाओं में सुधार हो सके और समाज व राष्ट्र की मुख्यधारा से जुड़कर अपने को सशक्त महसूस कर सकें।

कार्यक्रम का संचालन श्री बनारसी लाल पाण्डेय, धन्यवाद ज्ञापन श्री प्रभाकर मिश्रा के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में श्री अजय पाण्डेय, श्री सुघर सिंह, श्री गणेश पटेल सहित 68 प्रतिभागी उपस्थित रहे। प्रतिभागियों को कौशल प्रमाण पत्र वितरण के साथ साथ अतिथियों द्वारा परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया।

ओऊम गं गणपतये नमो नमः से गूंजा आरोग्यधाम परिसर

गणेश प्रतिमा की अद्भुत छटा देखने शाम को लगता श्रद्धालुओं का जमघट

चित्रकूट / हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकट के आरोग्यधाम में गणेशोत्सव धूमधाम से मनाया गया। दस दिनों तक चलने वाले इस पर्व को धूमधाम से मनाये जाने के लिये भक्तों ने कई कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तैयार की। आयोजन समिति ने बताया कि आरोग्यधाम में 2003 से गणेश उत्सव की शुरूआत की गई है उस समय चित्रकूट क्षेत्र में गणेश उत्सव की ज्यादा परम्परा नहीं थी, यह 21वाँ वर्ष है। दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव श्री अभय महाजन एवं कोषाध्यक्ष श्री वसंत पंडित भी आरती में उपस्थित रहे।

आरोग्यधाम में गणेश प्रतिमा की अद्भुत छटा देखने के लिये रोजाना सैकड़ों श्रद्धालु आसपास के क्षेत्रों से आते हैं। इस दौरान भजन, रामायण, गणपति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। आराध्य देव गणपति की आराधना पूरे विधि-विधान से की जाती है। परम्परा के मुताबिक भक्तगण मानते हैं कि भगवान गणेश मनुष्य के अंदर अच्छे गुणों के संस्कारी भगवान हैं उनकी पूजा करने में मनुष्य के अन्दर के संस्कार ख़ुद-ब-ख़ुद खिलने लगते हैं। प्रतिदिन बदल-बदलकर भगवान गणेश के विभिन्न स्वरूपों की झांकी सजाई गई। दिन रात गणपति बप्पा मोरया व जय गणेश जय गणेश देवा, लड्डू के भोग लगै संत करें सेवा। के गीतों से परिसर गुंजायमान होता रहा।

दस दिनों तक चलने वाले गणेश उत्सव की शुरुआत गणेश चतुर्थी के दिन गणेश प्रतिमाओं की स्थापना के साथ दीनदयाल शोध संस्थान के आरोग्यधाम परिसर में हुई। आराध्य देव गणपति की आराधना पूरे विधि-विधान से सुबह-शाम '**ॐ गं गणपतये नमो नमः, सिद्धि विनायक नमो नमः।**' के साथ हुई। दीनदयाल शोध संस्थान के गणेश उत्सव आयोजन समिति के सदस्यों के अनुसार गणेश प्रतिमा की अद्भुत छटा देखने के लिए शाम को श्रद्धालुओं का जमघट लगा रहा तथा गणेश झांकी के प्रतिदिन बदलते स्वरूप को देखने एवं विद्युत की लपझप करती रंग-बिरंगी झालरें व पेड़ पौधों की सजावट के साथ गणेशोत्सव परिसर को अनुपम रूप देने पर लोगों की खासा रुचि इस ओर बढ़ रही है। आरोग्यधाम में गणेश पंडाल को झोपड़ी का स्वरूप देकर बीच में गणेश प्रतिमा स्थापित की गई। जिसका नजारा व स्वरूप मन को मोह लेने वाला है। प्रतिदिन बदल-बदलकर भगवान गणेश के विभिन्न स्वरूपों की झांकी सजाई गई।

पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की 107वीं जयंती पर चित्रकूट में हुए कई कार्यक्रम

ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वावलंबन एवं प्रशिक्षण केन्द्रों पर एकात्म मानवदर्शन संदेश के साथ हुए कार्यक्रम

चित्रकूट / 'भारत रत्न' राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख ने 1968 में पं. दीनदयाल उपाध्याय के निर्वाण के उपरांत दीनदयाल स्मारक समिति बनाकर उनके अधूरे कार्यों को पूर्ण करने के लिये दिल्ली में इसकी नींव रख दी थी। श्रद्धेय नानाजी ने 42 वर्ष में दीनदयाल स्मारक समिति से लेकर दीनदयाल शोध संस्थान की स्थापना तक के सफर में पं. दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानव दर्शन के विचारों को व्यावहारिक रूप से धरातल पर उतारने का काम सामूहिक पुरूषार्थ से करके दिखा दिया। जिसके चलते दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट के कार्यकताओं द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की 107वीं जयंती पर एकात्म मानवदर्शन का संदेश पहुंचाकर कई कार्यक्रम किये।

दीनदयाल परिसर, उद्यमिता विद्यापीठ चित्रकूट के दीनदयाल पार्क में भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें प्रातःकाल से ही संस्थान के विविध प्रकल्प गुरुकुल संकुल, उद्यमिता विद्यापीठ, सुरेन्द्रपाल ग्रामोदय विद्यालय, रामदर्शन, आईटीआई एवं आरोग्यधाम के कार्यकर्ताओं द्वारा अलग-अलग एकत्रित होकर पं. दीनदयाल पार्क उद्यमिता

परिसर में स्थापित लगभग 15 फिट ऊंची पं. दीनदयाल जी की प्रतिमा पर पुष्पार्चन किया गया एवं इस अवसर पर कार्यकर्ताओं द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के जीवन से जुड़े प्रेरणादायी प्रसंगों को दैनिक जीवन में आत्मसात करने हेतु मंचन भी किया गया। इस कार्यक्रम में महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. भरत मिश्रा एवं दीनदयाल शोध संस्थान के वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री पद्माकर मालवीय, शैक्षणिक अनुसंधान केंद्र के प्रभारी श्री कालिका प्रसाद श्रीवास्तव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. भरत मिश्रा ने कहा कि पं. दीनदयाल जी का विचार दर्शन और जीवन हम सबके लिये प्रेरणादायी है। दीनदयाल जी के विचार दर्शन पर कार्य करने वाले प्रत्यक्ष युगदृष्टा कोई थे तो वे श्रद्धेय नानाजी देशमुख थे। पं. दीनदयाल जी के विचारों से संकलित नानाजी ने जो कार्य खड़ा किया है। वह हमारे सामने है, समर्पित भाव से समाज के इस प्रभावी आन्दोलन के रूप में अपने जीवन को नानाजी ने समर्पित किया है।

दीनदयाल शोध संस्थान के वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री पद्माकर मालवीय ने कहा कि पं. दीनदयाल जी का बहुत बड़ा संकल्प था जितने समय वे जिये उतने समय तक उन्होंने समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के लिये काम किया। आज हम उस पूर्णता की ओर अग्रसर हैं, पहुंच रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान सुरेन्द्रपाल ग्रामोदय विद्यालय के प्राचार्य श्री मदन कुमार तिवारी द्वारा आभार व्यक्त किया गया। इस मौके पर दीनदयाल शोध संस्थान के उप-महाप्रबंधक डॉ. अनिल जायसवाल, डॉ. मिलिन्द देवगांवकर, डॉ. अशोक पांडेय, डॉ. संतोष मिश्रा सहित संस्थान के सभी प्रकल्पों के प्रभारी व चित्रकूट नगर के गणमान्य लोगों ने पंडित दीनदयाल जी की प्रतिमा पर पुष्पार्चन किया।

जन शिक्षण संस्थान द्वारा स्वच्छता शपथ और स्वच्छता श्रमदान

जिले भर में चलाया गया स्वच्छता अभियान

चित्रकूट / दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा संचालित तथा कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित जन शिक्षण संस्थान चित्रकूट द्वारा स्वच्छाजंलि एवं स्वच्छता शपथ कार्यक्रम का आयोजन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सीतापुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री ब्रजेन्द्र शुक्ला सभासद, डॉ. राम अग्रवाल एवं जेएसएस के निदेशक श्री अनिल कुमार सिंह द्वारा झाड़ू लगाकर किया गया। कार्यक्रम में जन शिक्षण संस्थान के प्रशिक्षकों एवं सभी लाभार्थियों ने उत्साहपूर्वक स्वच्छाजंलि कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सहायक परियोजना समन्वयक श्री बनारसी लाल पांडेय, श्री प्रभाकर मिश्र, श्री अजय पांडेय, श्री सुघर सिंह, श्री गणेश पटेल, श्री राहुल पाण्डेय, श्री विजय गुप्ता, अनुदेशक श्रीमती गीता कुशवाहा, श्रीमती गौरी कुशवाहा सहित विभिन्न अनुदेशक एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। संस्थान के निदेशक श्री अनिल कुमार सिंह ने कहा कि संस्थान द्वारा 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक पूरे जिले में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा, जिसमें विभिन्न गतिविधियों को सम्मिलित किया जाएगा, जिसमें स्वच्छता परामर्श, श्रम दान, पर्यावरणीय महत्व, प्लास्टिक उपयोग पर निबंध, गीला एवं सूखा कचरा प्रबंधन, विभिन्न प्रतियोगिताएं आदि गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। जिसका उद्देश्य जन भागीदारी के माध्यम से स्वच्छता सेवा के महत्व पर प्रकाश डाला जाएगा। स्वच्छता का उद्देश्य केवल आसपास की सफाई करना ही नहीं है अपितु नागरिकों की सहभागिता से अधिक से अधिक पेड़ लगाना, कचरा मुक्त वातावरण बनाना, शौचालय का अधिकाधिक प्रयोग कर स्वच्छ भारत का निर्माण करना है ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ एवं स्वच्छ परिवेश प्रदान किया जा सके। डॉ. राम अग्रवाल ने कहा कि अच्छे स्वास्थ्य की पहचान वह स्थिति होती है, जिसमें व्यक्ति शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहे। स्वच्छता से आशय आंतरिक एवं बाह्य दोनों प्रकार की स्वच्छता से है। हमें अच्छे स्वास्थ्य के लिए जीवन में स्वच्छता को प्रथम वरीयता देनी होगी।

डॉ. ज्योति पाठक ने कहा कि साफ सफाई से वातावरण स्वच्छ रहेगा, बीमारियां नहीं आएँगी, कीटाणु नही पैदा होंगे, आप बीमार नही होंगे साथ ही प्रदूषण कम होगा। श्री राहुल पाण्डेय द्वारा सभी से अपील की गई कि गीले एवं सूखे कचरे का प्रबंधन अलग अलग करें व स्वच्छता में लगे कर्मियों का सहयोग करें। न स्वयं गन्दगी करें न किसी को करने दें।

संस्थान द्वारा मानिकपुर केन्द्र पर भी स्वच्छाजंलि कार्यक्रम का आयोजन अनुदेशकों एवं प्रशिक्षणार्थियों के माध्यम से किया गया।

ग्रामोदय पखवाड़ा के अर्न्तगत स्वच्छता अभियान के साथ मनाई गई गांधी जी एवं शास्त्री जी की जयंती

महापुरुषों के त्याग–तपस्या और बलिदान से ही स्वतंत्र भारत का स्वरूप देख पा रहे – श्री अभय महाजन

चित्रकूट / राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लालबहादुर शास्त्री जी की जयंती दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट द्वारा आरोग्यधाम घाट पर स्वच्छता अभियान के रूप में घाट के आसपास की साफ सफाई के साथ मनाई गई। इसके अलावा रामनाथ आश्रमशाला विद्यालय पीली कोठी के बच्चों ने परिक्रमा मार्ग व सरयू घाट पर स्वच्छता व श्रम साधना की। आरोग्यधाम घाट पर दीनदयाल शोध संस्थान के प्रकल्प आरोग्यधाम, जन शिक्षण संस्थान, उद्यमिता विद्यापीठ तथा शैक्षणिक प्रकल्प गुरुकुल संकुल, सुरेन्द्रपॉल ग्रामोदय विद्यालय, दीनदयाल आईटीआई के कार्यकताओं ने सामूहिक श्रम साधना में भागीदारी की। इस अवसर पर दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन, ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. भरत मिश्रा सहित नगर पंचायत चित्रकूट के अधिकारीगण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने कहा कि महापुरुषों की जयंती और पर्व मनाने के पीछे उद्देश्य यही रहता है कि आने वाली पीढ़ी उनके बताए मार्ग और संस्मरण में से थोड़ा बहुत भी अनुसरण कर सके। स्वतंत्रता के 75 वर्ष इन सारे महापुरुषों के त्याग-तपस्या और बलिदान की वजह से ही आज हम यह स्वतंत्र भारत का स्वरूप देख रहे हैं।

श्री महाजन ने पंडित लाल बहादुर शास्त्री जी के परिवार और श्रद्धेय नानाजी देशमुख से जुड़ा संस्मरण बताते

हुए कहा कि नानाजी संघ के प्रचारक तो थे ही और संघ का प्रचारक घर-परिवार छोड़कर समाज के लिए काम करता है, इसीलिए वसुधैव कुटुंबकम की जो सैद्धांतिक बात करते हैं उसे वह मूर्त रूप में ही जीता है। एक बार नानाजी के पास कुछ लोग बैठे हुए थे तब उन्होंने चर्चा में बताया था कि शास्त्री जी के यहां हम लोग जाते थे, उस समय सिक्योरिटी इतनी नहीं रहती थी, हम लोग प्रधानमंत्री आवास में सीधे चले जाते थे। शास्त्री जी नहीं है या टूर पर है। घर पर आदरणीय ललिता भाभी जी (शास्त्री जी की पत्नी) से बोलते भाभी जी हमें भोजन करना है। भाभी जी अपने हाथ से भोजन तैयार करके स्वयं परोसती थी। उस समय एक परिवार के सदस्य के नाते ही वह हमें अपनी रसोई में ही बैठाकर भोजन कराती थीं। शास्त्री जी के बारे में तो हमने बहुत सुना है, ऐसा सादा जीवन उनके परिवार का भी रहा है।

उन्होंने बताया कि नानाजी का कार्य क्षेत्र उत्तर प्रदेश होने के नाते उनका गोरखपुर में केंद्र काफी समय तक रहा है, उस समय अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आंदोलन चलते ही रहते थे। गांधी जी और नेहरू जी उस समय गोरखपुर जेल में बंद थे, उस दौरान गीता प्रेस गोरखपुर वालों के यहां से नानाजी साइकिल से भोजन का टिफिन लेकर पहुंचाते थे। ऐसे कई संस्मरण नानाजी ने बताए हैं।

वहीं एक अन्य कार्यक्रम में उद्यमिता विद्यापीठ और दीनदयाल आईटीआई में व्याख्यानमाला आयोजित की गई। जिसमें डीआरआई के उप महाप्रबंधक डॉ. अनिल जायसवाल, उद्यमिता विद्यापीठ के संयोजक श्री मनोज सैनी एवं आई टी आई के उप-प्राचार्य श्री संजय दुबे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

दीनदयाल शोध संस्थान में 25 सितंबर पं. दीनदयाल जी की जयंती से 11 अक्टूबर 'भारत रत्न' नानाजी देशमुख के जन्म दिवस तक "ग्रामोदय पखवाड़ा" मनाया गया। जिसके अंतर्गत सभी प्रकल्पों के माध्यम से ग्राम आबादियों तक स्वच्छता, नशामुक्ति, जल संरक्षण, पर्यावरण आदि विभिन्न विषयों पर जन जागरुकता के साथ वीरांगना रानी दुर्गावती जी की 500वीं जयंती के अवसर पर परिक्षेत्र के सभी विद्यालयों में प्रतियोगिताओं सहित स्वास्थ्य गोष्ठियां और कृषक गोष्ठियों का आयोजन किया गया।

इसी क्रम में 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी जी एवं लालबहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर संस्थान के प्रकल्पों द्वारा सामूहिक श्रम साधना चित्रकूट क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर की गई। दीनदयाल शोध संस्थान सम्पर्कित सभी ग्राम आबादियों में समाज शिल्पी दंपत्ति एवं सामूहिक प्रयासों से जयंती मनाई गई और ग्रामवासियों ने नशा तथा तंबाकू छोड़ने का संकल्प लिया। गांव गांव में सामूहिक श्रम साधना के द्वारा स्वच्छता का संदेश भी दिया गया। सभी प्रकल्पों में पुष्पार्चन भी हुआ।

वीरांगना रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती पर दीनदयाल शोध संस्थान ने किये कई आयोजन

विविध क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को किया गया सम्मानित

दुर्गावती जी के व्यक्तित्व पर भाषण प्रतियोगिता में 94 विद्यालयों से चयनित 12 बच्चों को किया गया पुरस्कृत

मझगवां/ वीरांगना रानी दुर्गावती जी की 500वीं जयंती पर दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा मझगवां में कई आयोजन किये गए। वाल्मीकि परिसर मझगवां में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में श्री दिगम्बर स्वामी मदन मोहन गिरी जी मण्डला, श्री लक्ष्मीकांत जी सह विभाग कार्यवाह सतना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, श्री चूड़ामणि सिंह समाजसेवी, श्री अभय महाजन राष्ट्रीय संगठन सचिव दीनदयाल शोध संस्थान, डॉ. राजेन्द्र सिंह नेगी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केंद्र, श्री गंगाराम प्रधानाचार्य कृष्णा देवी वनवासी बालिका आवासीय विद्यालय मझगवां आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वनवासी बालिकाओं द्वारा वीरांगना दुर्गावती पर आधारित सांस्कृतिक मंचन भी किया गया।

वहीं एक अन्य कार्यक्रम में वीरांगना रानी दुर्गावती जी की 500वीं जयंती पर कृषि विज्ञान केंद्र मझगवां द्वारा सफल भारत परियोजना (फ्रूट फुल इंडिया) के तहत कुपोषण दूर करने में फलों का महत्व विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती सोनाबाई जनपद पंचायत सदस्य, श्रीमती सरमनिया मवासी सरपंच पिण्डरा, श्रीमती किरण अग्रवाल एवं श्रीमती आशा पटेल समाज सेविका द्वारा वीरांगना दुर्गावती जी की प्रतिमा पर पुष्पार्चन कर किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं केंद्र प्रमुख डॉ. राजेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती जी की 500वीं जयंती पर संस्थान द्वारा 500 फलदार वृक्षों के रोपण का संकल्प लिया है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रत्येक घर आंगन में फ़लदार वृक्षों के रोपण को सुनिश्चित करना है क्योंकि यह फलदार वृक्ष हमारे जीवन को बेहतर बनाने में अत्यंत उपयोगी हैं। प्रतिदिन हर व्यक्ति को 140 ग्राम फल का सेवन करना चाहिए। फल हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं, यह कैंसर की रोकथाम में सहायक है। चित्रकूट क्षेत्र में लगभग 20 प्रकार के फलदार वृक्षों को आसानी के साथ लगाया जा सकता है। यहाँ की जलवायु इनके अनुकूल है। मझगवां जनपद के 96 पंचायतों के कृषक महिलाओं एवं पुरुषों ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

इस दौरान कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा विविध क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाली मातृशक्ति को सम्मानित किया गया। जिसमें श्रीमती सोना सिंह बांका को सामाजिक क्षेत्र, श्रीमती रामकली मवासी कावर को वन संरक्षण, श्रीमती सरमनिया मवासी एवं श्रीमती तिजिया बाई बरहा पिण्डरा को महिला सशक्तिकरण, श्रीमती संतोषी बाई पुरानखेर को कृषि क्षेत्र में नवीन तकनीकी अपनाने, श्रीमती लोहरी बाई तिंदोरी को परंपरागत बीजों के संरक्षण, श्रीमती कृष्णा मवासी झरिया घाट को बागवानी, श्रीमती चंदा सिंह सोनवर्षा को फलदार पौध बागबनी, श्रीमती सुनीता मवासी कोलदरी को मशरूम उत्पादन एवं श्रीमती गोलकी बाई बटोही को शिक्षा क्षेत्र में बेहतर कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

मंडला से पधारे प्रसिद्ध संत मदन मोहन गिरी महाराज ने अपने आशीर्वचन में कहा कि हमारे देश में सनातन धर्म शाश्वत रहे, हम परम वैभव को प्राप्त करें इसके लिए सबको प्राणपण से जुटना होगा।

कार्यक्रम के अंत में दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने कहा कि चित्रकूट-मझगवां जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र है। 'भारत रत्न' नानाजी ने इन्हीं सब लोगों को साथ लेकर उनकी पहल पुरुषार्थ से ही सेवा का प्रकल्प खड़ा किया है। रानी दुर्गावती जी का जीवन दर्शन हम सबके लिए प्रेरणाप्रद है।

वीरांगना रानी दुर्गावती जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर भाषण प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

94 विद्यालयों से 770 छात्रों ने की सहभागिता, जूनियर व सीनियर दो वर्गों में हुई प्रतियोगिता

वीरांगना दुर्गावती जी की 500वीं जयंती पर मझगवां जनपद को 7 संकुलों में विभक्त कर रानी दुर्गावती जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन 25 सितम्बर से किया जा रहा है। जिसमें 69 पूर्व माध्यमिक विद्यालयों के 530 एवं 25 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 240 छात्र / छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के समापन पर दोनों वर्गों से बालक एवं बालिकाओं को पृथक पृथक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी में कुल 12 प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया।

इनमें पूर्व माध्यमिक बालिका अनामिका तिवारी प्रथम, खुशी त्रिपाठी द्वितीय, खुशी अग्निहोत्री तृतीय एवं पूर्व माध्यमिक बालक सिद्धार्थ रावत प्रथम, सत्यम पटेल द्वितीय, संजय गुप्ता तृतीय तथा उच्चतर माध्यमिक बालिका वर्ग में शिवांशी निगम प्रथम, मनोरमा सिंह द्वितीय, साक्षी यादव तृतीय व उच्चतर माध्यमिक बालक में अनंत प्रथम, विभव तिवारी द्वितीय, अनुज मिश्रा तृतीय आदि बच्चों को मंच से अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया।

> आयोजन समिति ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से जहां एक ओर युवाओं को सार्वजनिक रूप से अपने प्रस्तुति कौशल एवं बोलने की शैली को प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त होता है तो वहीं दूसरी ओर युवाओं के बीच एक गुणकारी सकारात्मक बातचीत को बढ़ावा देकर संपूर्ण युवा समुदाय के बीच वांछित वातावरण का निर्माण भी होता है।

आयोजन समिति ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से जहां एक ओर युवाओं को सार्वजनिक रूप से अपने प्रस्तुति कौशल एवं बोलने की शैली को प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त होता है तो वहीं दूसरी ओर युवाओं के बीच एक गुणकारी सकारात्मक बातचीत को बढ़ावा देकर संपूर्ण युवा समुदाय के बीच वांछित वातावरण का निर्माण भी होता है। साथ ही सभी बच्चों को आजादी के अमृतकाल में देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वालों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से सीख लेकर समाज व राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दे सकें इसकी जानकारी प्रदान करना है।

मझगवां से बिछियन गांव का सफर 25 किलोमीटर से घटकर होगा 3 किलोमीटर

जन भागीदारी से सड़क बनाने का ग्रामीणों ने उठाया बीड़ा, 3 कि.मी. सड़क बनाने जुटा पूरा गांव

दीनदयाल शोध संस्थान का स्वावलंबन केन्द्र रहा है ट्राइबल गांव बिछियन, नानाजी को था बेहद लगाव

मझगवां/ सतना जिले के मझगवां विकास खण्ड के ट्राइबल गांव बिछियन के निवासियों को अगर मझगवां जाना हो तो उन्हें 25 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता है। जबकि जंगल के रास्ते बिछियन से मझगवां की दूरी महज 3 किलोमीटर है।

वन विभाग से एनओसी मिलने के पश्चात बहुप्रतीक्षित बिछियन से मझगवां पहुंच मार्ग का भूमिपूजन स्वावलंबन के तहत दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने नारियल फोड़कर और वीरांगना दुर्गावती जी के चित्र पर माल्यार्पण करके शुभारंभ किया।

इस मार्ग के बनने से ग्राम पंचायत खोडरी एवं डेगरहट, बिछियन, तागी, करिया गांव सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे, साथ ही यह दूरी पहले 25 किलोमीटर तय करनी पड़ती थी अब मात्र 3 किलोमीटर दूरी तय कर मझगवा पहुंचा जा सकेगा।

इस अवसर पर खोडरी पंचायत के सरपंच श्री लालमन

सड़क ग्राम वासियों ने अपने पुरुषार्थ और श्रम साधना से बनाई थी। इस तरह बिछियन के लोग भी जन भागीदारी और श्रम साधना से इस 3 किलोमीटर के मार्ग को पूरा करेंगे। इस पहुंच मार्ग के मझगवां से जुड़ जाने पर हमको यह संकल्प लेना होगा कि हम वनों को किसी भी प्रकार की क्षति नहीं पहुंचाएंगे। किसी भी पेड़ को न काटेंगे और ना काटने देंगे। अगर कोई काटता भी है तो इसकी शिकायत वन विभाग को करेंगे।

गौरतलब है कि 'भारत रत्न' राष्ट्रऋषि नाना जी देशमुख ने चित्रकूट आने पर सबसे पहले दीनदयाल शोध संस्थान की स्वावलंबन गतिविधियों के तहत मझगवां क्षेत्र के वनवासी अंचल और इंटीरियर गांवों को ही अपना कार्य क्षेत्र बनाया था। जहाँ समाज शिल्पी दंपत्तियों के माध्यम से ग्रामवासियों में स्वावलंबन का भाव जगाने एवं एक आदर्श गांव की सोच के साथ ग्रामवासियों की पहल और पुरुषार्थ से कई ऐसे समाज मूलक कार्य हुए हैं, जो जन भागीदारी की बहुत बड़ी मिसाल है।

सिंह ने कहा कि दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव श्री अभय महाजन जी के सतत प्रयासों से आज यह काम संभव हो पा रहा है। वन विभाग से भी सड़क मार्ग के लिए मंजूरी मिल गई है। दीनदयाल शोध संस्थान की प्रेरणा और जन भागीदारी से इस काम की आज शुरुआत हो गई है। अब हमें एकजुट होकर सामूहिक श्रम साधना का हिस्सा बनकर गांव के विकास में सहभागी होना पड़ेगा।

दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने कहा कि नाना जी ने सबसे पहले स्वावलंबन अभियान की शुरुआत खोडरी ग्राम पंचायत से सन 2002 में की थी। उस समय बरहा से डेगरहट तक डेढ़ किलोमीटर की

भूमिपूजन के दौरान बांका से जनपद सदस्य श्रीमती सोना बाई, खोडरी पंचायत के सरपंच श्री लालमन सिंह, अमिरती से श्री राजेश त्रिपाठी, संरक्षक श्री मैथिलीशरण पटेल एवं दीनदयाल शोध संस्थान के उप महाप्रबंधक डॉ. अनिल जायसवाल, डॉ. अशोक पाण्डे, श्री राजेन्द्र सिंह, श्री हरीराम सोनी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

उद्यमिता विद्यापीठ में मनाया गया समग्र क्रांति प्रणेता लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी का 121वीं जयंती कार्यक्रम

नानाजी के अनुसार जे.पी. भारत की गौरवमयी सांस्कृतिक धरोहर के सशक्त प्रहरी थे

चित्रकूट/ उद्यमिता विद्यापीठ चित्रकूट में समग्र क्रांति प्रणेता लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की 121वीं जयंती को उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ उद्यमिता विद्यापीठ के संयोजक श्री मनोज सैनी एवं दीनदयाल शोध संस्थान की आयुर्वेद सदन एवं शोध शाला के प्रभारी डॉ. मनोज त्रिपाठी ने सर्वप्रथम लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्चन के साथ किया। इसके बाद खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के प्रशिक्षणार्थियों एवं स्वावलंबन केन्द्र से आए बंधु भगनियों सहित उद्यमिता विद्यापीठ के कार्यकर्ताओं द्वारा पुष्पार्चन किया गया।

इस अवसर पर दीनदयाल शोध संस्थान की शोध शाला के प्रभारी डॉ. मनोज त्रिपाठी ने कहा कि आज का दिन हमारे देश का ऐतिहासिक दिन है। आज के दिन देश की महान दो विभूतियों का जन्म हुआ है। जिनमें एक लोकनायक जयप्रकाश नारायण जिन्होंने समग्र क्रान्ति का आहवान किया था। देश के प्रजातंत्र को बचाने के लिए उन्होंने जिस तरह युवा तरुणाई को शंखनाद किया था। वह इतिहास के पन्नों में अविस्मरणीय है। नानाजी के अनुसार भी जे.पी. भारत की गौरवमयी सांस्कृतिक धरोहर के सशक्त प्रहरी थे। आज ऐसे दोनों महापुरुषों का जयंती पर्व है। एक नाम जो किसी के आगे नहीं झुका, वह है लोकनायक जयप्रकाश नारायण। आजादी के पहले और बाद जेपी आजीवन भारत को बेहतर राष्ट्र बनाने के लिए लड़ते रहे। अन्याय के खिलाफ आजाद भारत के सबसे बड़े जनांदोलन के प्रतीक पुरुष रहे जेपी ने सत्ता की कुर्सी से दूर रहकर भी जो अलख जगाई, वह आज भी इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। उद्यमिता विद्यापीठ के संयोजक श्री मनोज सैनी ने कहा कि आज 11 अक्टूबर को लोकनायक जयप्रकाश जी की जयंती के साथ राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख का भी जन्मदिन है। दोनों महापुरुषों का जीवन और योगदान समाज जीवन के विभिन्न पहलुओं को दर्शाता है।

इस दौरान खादी ग्रामोद्योग आयोग के प्रशिक्षक श्री रामदत्त पांडे एवं श्री रमाशंकर शुक्ल ने संचालन करते हुये कहा कि नानाजी का जन्म भी शरद पूर्णिमा के दिन 11 अक्टूबर को हुआ था। नानाजी जेपी के बड़े निकट साथी थे। पटना में लोकनायक जेपी पर प्राणघातक हमला किया गया था। नानाजी ने वो हमला अपने ऊपर ले लिया। इस हमले में नानाजी को काफी चोटें आईं लेकिन वह जेपी को बचाने में कामयाब रहे।

'भारत रत्न' नानाजी देशमुख जी की 107वीं जयंती पर दीनदयाल शोध संस्थान में "ग्रामोदय पखवाड़ा" का हुआ समापन

❖ नानाजी की जयंती पर 108 स्वाबलंबन केंद्रों में सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा के साथ भंडारा प्रसादी का भी हुआ आयोजन

❖ 25 सितंबर को पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती से शुरू हुए 'ग्रामोदय पखवाड़ा' में ग्राम आबादियों तक डीआरआई ने किए कई कार्यक्रम

चित्रकूट/ भारत में समय-समय पर अनेक महापुरूषों ने जन्म लेकर तत्कालीन समाज को दिशा देने के साथ एक 'जागरूकता' का वातावरण निर्मित किया है। एकात्म मानववाद के चिन्तक पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख का नाम भी इन्हीं महापुरूषों की श्रंखला में आता है। इन दोनों ही महापुरुषों के जन्म दिवस पर दीनदयाल शोध संस्थान में 25 सितंबर पं. दीनदयाल जी की जयंती से 11 अक्टूबर 'भारत रत्न' नानाजी देशमुख की जयंती तक "ग्रामोदय पखवाड़ा" का कार्यक्रम मनाया गया। इसके लिए संस्थान के सभी प्रकल्पों से प्रमुख कार्यकर्ता चित्रकूट एवं मझगवॉ जनपद के सभी स्वावलंबन केंद्रों एवं संपर्कित केंद्रों तक प्रवास किये तथा वहां समाज शिल्पी दंपत्ति एवं ग्राम संयोजक कार्यकर्ताओं के सहयोग से श्रद्धेय नानाजी के जयंती कार्यक्रम को ग्राम आबादियों तक धूमधाम से संपन्न किए।

जयंती अवसर पर प्रकल्पों के अलावा 108 स्वावलंबन केन्द्रों में सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा का भी पाठ किया गया, उसके बाद खीर एवं मिष्ठान का भी वितरण तथा कई केंद्रों पर भंडारा प्रसादी का भी आयोजन हुआ।

पखवाड़ा कार्यक्रम के ही अंतर्गत दीनदयाल शोध संस्थान के विभिन्न प्रकल्पों द्वारा ग्राम केन्द्रों पर क्षमता संवर्धन, स्वच्छता, सामूहिक श्रम साधना, तथा स्वावलंबी बनाने के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण पर आपसी चर्चा हुई तथा तंबाकू से मुक्त समाज हो इस पर भी बातचीत की गई। 'भारत रत्न' नानाजी देशमुख ने कैसे चित्रकूट में सामूहिक प्रयासों से समाज में चेतना लाने का काम किया, विस्तार से बताया। स्वावलंबन केंद्रों पर समाज शिल्पी दंपति कार्यकर्ताओं ने भी इस दौरान सामूहिक प्रयासों से गांव-गांव में पेयजल स्रोत, श्रद्धास्थल और सामुदायिक भवनों को साफ स्वच्छ किया। पखवाड़ा के तहत स्वावलम्बन केन्द्रों पर आरोग्यधाम कार्यकर्ताओं द्वारा औषधीय पौधों की उपयोगिता एवं महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी।

दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने बताया कि पिछले 17 दिनों से पखवाड़े के अंतर्गत दीनदयाल शोध संस्थान के सभी प्रकल्पों के माध्यम से ग्राम आबादियों तक स्वच्छता, नशामुक्ति, जल संरक्षण, पर्यावरण आदि विभिन्न विषयों पर जन जागरुकता के साथ प्रतियोगिताओं सहित स्वास्थ्य गोष्ठियां और कृषक गोष्ठियों का आयोजन किया गया। जिसका समापन आज नानाजी की 107वीं जयंती पर हर्षोल्लास के साथ सभी प्रकल्प एवं स्वावलम्बन केन्द्रों पर विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के साथ अलग-अलग स्थानों पर हुआ।

तुलसी कृषि विज्ञान केन्द्र में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का दो दिवसीय प्रशिक्षण

33 स्वावलंबन केंद्र के 61 कार्यकर्ता रहे उपस्थित

गनीवां / आरोग्यधाम द्वारा 2 दिवसीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण तुलसी कृषि विज्ञान केन्द्र गनीवां, चित्रकूट में सम्पन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में चित्रकूट जनपद के अन्तर्गत आने वाले चयनित स्वावलम्बन केन्द्रों में स्वास्थ्य प्रकल्प आरोग्यधाम द्वारा ग्राम स्वावलम्बन के ही निवासी चयनित कार्यकर्ताओं को स्वास्थ्य कार्यकर्ता का प्रशिक्षण दिया गया है। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण में स्वास्थ्य कार्यकर्ता को हरी ताजी औषधियों की जानकारी, उनकी पहचान, उनकी मात्रा और उनकी सेवन विधि की जानकारी, दादी मॉ के बटुए से उपचार विधि फिर स्वास्थ्य शिविर, उसके बाद आरोग्यधाम की उपचार विधि, स्वच्छता, नशा मुक्ति, दंत रोग, पथ्य-अपथ्य एवं आहार तथा संक्रामक बीमारियों से बचाव आदि कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा एवं प्रशिक्षण दिया गया। स्वास्थ्य कार्यकर्ता पर अपने विचार रखते हुए दीनदयाल शोध संस्थान के स्वावलंबन अभियान प्रभारी डॉ. अशोक पांडेय ने बताया कि सभी को यह प्रयत्न करना है कि लोग बीमार ही न पड़े इसके लिए सबसे पहले सबको अपनी दिनचर्या ठीक करना है, फिर इसको खुद के आचरण में उतारना है, फिर परिवार में इसको लागू करना है। इस दौरान रिसोर्स सेन्टर के प्रभारी श्री विनीत श्रीवास्तव द्वारा सभी के बीच दीनदयाल शोध संस्थान की गतिविधियों पर प्रजेंटेशन दिया गया। दो दिन तक चले प्रशिक्षण में विभिन्न सत्रों में स्वास्थ्य कार्यकर्ता का गांव में कैसा आचार व्यवहार एवं उसकी कार्यपद्धति होनी चाहिये तथा नशा मुक्ति पर प्रशिक्षकों ने अत्यधिक सरल भाषा में प्रशिक्षणार्थियों को समझाया। दीनदयाल शोध संस्थान के वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री राजेन्द्र सिंह ने स्वच्छता व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामुदायिक विषय पर अत्यधिक सरल भाषा में प्रशिक्षणार्थियों को जानकारी दी। वैद्य डॉ. राजेन्द्र पटेल ने स्थानीय हरी ताजी औषधियों की पहचान व उससे उपचार के तरीकों व वैद्य दयाराम ने दादी मां का बटुआ एवं उसकी उपयोगिता के बारे में जानकारी दी।

प्रशिक्षण का शुभारंभ सी एम ओ चित्रकूट डॉ. भूपेश कुमार द्विवेदी द्वारा किया गया। समापन सत्र में डॉ. सुधीर सिंह ने सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी रखी। इस प्रशिक्षण में 33 स्वावलंबन केंद्र से आये हुये 61 स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने अनुभव साझा किए। अंततः सभी ने समाज को स्वस्थ बनाने की शपथ ली। कल्याण मंत्र के साथ समापन हुआ। इस अवसर पर समाज शिल्पी दंपति प्रभारी श्री हरीराम सोनी, तुलसी कृषि विज्ञान केन्द्र गनीवां के प्रभारी डॉ. चन्द्रमणि त्रिपाठी, जन शिक्षण संस्थान के निदेशक श्री अनिल कुमार सिंह, आरोग्यधाम के चिकित्सक डॉ. राजीव कुमार, डॉ. पूनम पाठक आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

जन शिक्षण संस्थान में कौशल दीक्षांत समारोह का आयोजन

दिया कौशल को सम्मान, बढ़ाया हर प्रतिभा का मान

चित्रकूट/ दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा संचालित तथा कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित जन शिक्षण संस्थान, चित्रकूट द्वारा कौशल दीक्षांत समारोह का आयोजन कार्यालय में किया गया। जिसमें उपायुक्त जिला उद्योग केंद्र श्री एस.के. केशरवानी, जन शिक्षण संस्थान प्रबंध मण्डल के उपाध्यक्ष श्री सन्तोष अग्रवाल, भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री डॉ. आलोक पाण्डेय, जिला उपाध्यक्ष श्रीमती अंजू वर्मा, नगर महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती अर्चना सिंह अनमोल एवं संस्थान के निदेशक श्री अनिल कुमार सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया।

कार्यक्रम में जन शिक्षण संस्थान के निदेशक श्री अनिल कुमार सिंह ने कौशल दीक्षान्त समारोह के महत्व, दीनदयाल शोध संस्थान एवं जन शिक्षण संस्थान के उद्देश्य एवं कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

अतिथिय उद्बोधन करते हुए सुश्री अर्चना सिंह ने कहा कि देश की आधी आबादी महिलाओं की है। किन्तु जीवन क्रम के विकास में 80 प्रतिशत योगदान महिलाओं का है। नारी ईश्वर की सर्वोत्तम कृति है, जिसमें उसका माता का स्वरूप जीवनदायिनी होता है। महिलाओं को संस्कार, त्याग, समर्पण, भावनाओं एवं सद्विचारों का समावेश कर आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए। मुगल काल खण्ड को छोड़कर महिलाएं सदैव ही अग्रेसर की पंक्ति में रही हैं।

श्रीमती अंजू वर्मा ने कहा कि संस्कारवान शिक्षा एवं कौशल्य ही भावी पीढ़ी को दिशा प्रदान कर सकती है। जीवन में आगे बढ़ने के लिए उम्र और शिक्षा कभी भी आड़े नहीं आती है।

संस्थान के उपाध्यक्ष श्री सन्तोष अग्रवाल ने कहा कि जन शिक्षण संस्थान के माध्यम से प्रति वर्ष हजारों की संख्या में चित्रकूट जिले की युवक एवं युवतियां प्रशिक्षित होकर व्यावसायिक मार्ग पर आगे बढ़ रही हैं, तथा आत्मनिर्भर

भारत के संकल्प को आगे बढ़ा रही हैं। आप सभी अपना स्वयं का समूह बनाकर उसके माध्यम से उत्पादन एवं विपणन का कार्य प्रारंभ करिए जहाँ पर आपको सहयोग की आवश्यकता होगी वहाँ हम स्वयं एवं संस्थान आपके साथ हर कदम पर सहयोगी होगा।

जिला महामंत्री डॉ. आलोक पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में परिवार और समाज में महिलाओं की विशेष भूमिका का विस्तृत वर्णन किया और कहा कि यदि महिलायें सुशिक्षित और व्यावसायिक रूप से प्रशिक्षित व दक्ष हैं तो वह अपने परिवार और समाज के लिए अग्रणी भूमिका निभा सकती हैं। आजादी के बाद महिलाओं का समाज में सम्मान बढ़ा, लेकिन उनके सशक्तिकरण की गति दशकों तक धीमी रही। वर्तमान में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, समानता और कौशल के माध्यम से महिलाओं को व्यवसाय की ओर प्रोत्साहित कर इन्हें आर्थिक रूप से सुदृढ़ किया रहा है। आप सभी अपने शक्ति सामर्थ्य एवम प्राप्त हो रहे अवसरों का सदुपयोग करके माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सपने को साकार कर सकती हैं।

उपायुक्त श्री एस. के. केशरवानी द्वारा शासन द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान कर उनसे लाभान्वित होकर स्वरोजगारी व आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया और तथा यथासंभव सहयोग प्रदान करने की बात कही।

कार्यक्रम में जिले के सभी विकास खण्डों के प्रशिक्षणार्थियों को कौशल्य प्रमाण पत्र अतिथियों द्वारा दिये गये। ऑनलाइन दीक्षांत समारोह के अन्तर्गत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री मा. श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी के उद्बोधन एवम कार्यक्रम का सजीव प्रसारण प्रशिक्षणार्थियों को प्रोजेक्टर के माध्यम से दिखाया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री बनारसीलाल पाण्डेय ने तथा आभार प्रदर्शन श्री प्रभाकर मिश्र ने किया। कार्यक्रम में श्री अजय पाण्डेय, श्री सुघर सिंह, श्री गणेश पटेल सहित 205 अनुदेशक एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

शिक्षित लोगों के जीवन से भारतीय जीवनमूल्य मिट रहे हैं -श्री अभय महाजन

राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज बांदा में दीनदयाल शोध संस्थान ने कृषि छात्रों को बताए सतत विकास के मॉडल

बांदा/ राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज बांदा में स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम - 2023 के अन्तर्गत ग्रामीण भारत के लिए सतत विकास मॉडल पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सर्वप्रथम राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज बांदा के निदेशक डॉ. एस. पी. शुक्ला द्वारा पुष्पगुच्छ से अतिथियों का स्वागत किया गया।

इस अवसर पर दीनदयाल शोध संस्थान के स्वावलंबन अभियान के प्रभारी डॉ. अशोक पांडेय, रिसोर्स सेंटर के प्रभारी श्री विनीत श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के शुरुआत में दीनदयाल शोध संस्थान के श्री विनीत श्रीवास्तव द्वारा दीनदयाल शोध संस्थान की ग्राम विकास के लिए संचालित सभी गतिविधियों को प्रजेंटेशन के माध्यम से छात्रों के बीच रखा। उसमें संस्थान द्वारा ग्रामीण विकास के संदर्भ में सतत विकास के लिए किये जा रहे प्रयोगों को कृषि संकाय के छात्रों को बताया गया। उसके बाद डॉ. अशोक पांडेय ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानवदर्शन पर अपने विचार रखते हुए कहा कि पंडित जी का मानना था कि जिस तरह मनुष्य की आत्मा होती है, उसी तरह देश की आत्मा भी होती है। भारत की आत्मा गांवों में बसती है, गांववासी ही देश की चिति का सही प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए देश का विकास करना है तो गांवों का सर्वांगीण विकास करना होगा। इसमें सबसे अधिक महत्वपूर्ण है कृषि का विकास, इस पर दीनदयाल जी ने खूब अध्ययन भी किया और चिंतन भी। कृषि के बारे में पंडित जी का कालजयी विश्लेषण आज भी बहुत प्रासंगिक है। मुख्य उद्बोधन में कृषि छात्रों को संबोधित करते हुए श्री अभय महाजन ने कहा कि वर्तमान की प्रचलित शिक्षा आजीविका आधारित बनाई गई है। परिणामस्वरूप, शिक्षित व्यक्ति अधिकाधिक व्यक्तिवादी एवं उपभोग प्रेमी बनते जा रहे हैं। शहरों से तथाकथित शिक्षित लोगों के जीवन से भारतीय जीवनमूल्य मिट रहे हैं। सामाजिक जीवन की प्राणमय चेतना गायब हो रही है। आत्मनिर्भर भारत हेतु आर्थिक विकास के साथ संस्कारक्षम, पारिवारिक जीवन, नैतिकतापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य, सदाचार एवं परस्पर पूरकता की दिशा प्रशस्त करनी होगी। स्वाभिमान तथा प्रामाणिकता के प्रति रूचि बढ़ानी होगी। यह कार्य युगानुकूल सामाजिक पुनर्रचना का कार्य है। दीनदयाल शोध संस्थान की स्थापना हुये 55 वर्ष हो गये हैं। ग्राम विकास के कार्यो में संस्थान 1978 से कार्यरत है। वर्षो की तपस्या के बाद 'भारत रत्न' राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख जी ने एकात्म मानवदर्शन के सिद्धान्त को जमीन पर उतारने के लिए संस्थान के माध्यम से समग्र ग्राम विकास का मॉडल विकसित किया। इस कार्यक्रम में 200 छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

सुरेन्द्रपॉल ग्रामोदय विद्यालय का वार्षिक उत्सव

महिषासुर मर्दिनी नृत्य नाटिका एवं बुंदेलखंड का पारंपरिक दिवारी नृत्य का प्रदर्शन रहा बेहद रोमांचक

चित्रकूट/ शैक्षणिक प्रकल्प सुरेंद्रपॉल ग्रामोदय विद्यालय में वार्षिकोत्सव संपन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में एपीजे एजुकेशन एसोसिएशन कोलकाता के अध्यक्ष श्री करण पॉल जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कोलकाता से पधारी श्रीमती इंद्राणी जी का भी स्वागत हुआ। श्री करण पॉल जी ने सुरेंद्रपॉल ग्रामोदय विद्यालय के नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम को देखकर उसकी प्रशंसा की और कहा चित्रकूट के इन बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर के हैं तथा बेहद प्रेरक है। इस अवसर पर दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव श्री अभय महाजन तथा कोषाध्यक्ष श्री वसंत पंडित की गरिमामयी उपस्थिति रही। विद्यालय के प्राचार्य श्री मदन तिवारी ने कहा ऐसे कार्यक्रम बच्चों के बहुआयामी व्यक्तित्व विकास के लिए उपयोगी साबित होते हैं, नवरात्र के पावन अवसर पर आयोजित वार्षिकोत्सव में देवी भक्ति से संबंधित कार्यक्रमों की धूम रही। महिषासुर मर्दिनी नृत्य नाटिका तथा जावरा नृत्य बहुत ही पसंद किये गये, बुन्देलखण्ड का प्रसिद्ध दिवारी नृत्य ने भी खूब धूम मचाई।

कार्यक्रम का मंचीय संचालन विद्यालय के उपप्रधानाचार्य श्री अशोक दीक्षित ने किया। कार्यक्रम बहुत सफल और प्रेरक रहा। इसके लिए संस्थान के संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने विद्यालय परिवार को बधाई दी। इस अवसर पर हाई स्कूल परीक्षा में सतना जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र प्रतीक गुप्ता तथा राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में पदक जितने वाले छात्र पुष्पेंद्र को मुख्य अतिथि श्री करण पॉल जी के द्वारा सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम की सफलता में विद्यालय के संगीत शिक्षक श्री रामराज पांडे का प्रमुख योगदान रहा।

सरदार पटेल की जयंती पर जन शिक्षण संस्थान ने किये कई कार्यक्रम

बच्चों के बीच एकता की शपथ के साथ हुआ दौड़ का आयोजन

चित्रकूट/जन शिक्षण संस्थान चित्रकूट द्वारा देश की एकता और अखंडता के प्रतीक आधुनिक भारत के शिल्पकार महान स्वतंत्रता सेनानी 'भारत रत्न' सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्म दिवस को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में धूमधाम से परमानंद आश्रम पद्धति विद्यालय तथा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज गनीवां के संयुक्त तत्वावधान में मनाया गया।

जिसमें सर्वप्रथम जन शिक्षण संस्थान प्रबन्ध मण्डल की सदस्य श्रीमती बबिता सिंह, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य श्रीमती प्रियंका पाण्डेय, विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री वरुण त्रिपाठी व निदेशक जन शिक्षण संस्थान श्री अनिल कुमार सिंह ने लौह पुरुष के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वक्ता के रूप में बोलते हुए विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती प्रियंका पाण्डेय ने सरदार पटेल के जीवन वृत पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए उनके जीवन से सीख लेने की बात कही। इस दौरान श्री अनिल कुमार सिंह निदेशक जन शिक्षण संस्थान चित्रकूट ने कहा कि सरदार पटेल की शिक्षा का प्रमुख स्रोत उनका स्वाध्याय था वह किसानों के सच्चे हितैषी थे, उनके पास अपने खुद का मकान भी नहीं था वह अहमदाबाद में एक किराए के मकान में रहते थे। वर्ण भेद तथा वर्ग भेद के कट्टर विरोधी थे। बारडोली सत्याग्रह का नेतृत्व करने और उसमें सफलता मिलने के कारण वहां की महिलाओं ने उन्हें सरदार की उपाधि दी थी। हमें उनके जीवन से यही सिखने को मिलता है कि हमारी कथनी एवं करनी में विभेद नही होना चाहिए अर्थात हमारे इरादे फौलाद की तरह मजबूत हों।

वहीं एक अन्य कार्यक्रम प्राथमिक विद्यालय चकजाफर एवं जन शिक्षण संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से मनाया गया। जिसमें सर्वप्रथम लौहपुरुष को प्रधानाध्यापिका, शिक्षकों एवं बच्चों द्वारा पुष्पार्चन कर एकता की शपथ ग्रहण कराई गई। इसके पश्चात बच्चों द्वारा रैली निकाल कर शांति, सद्भावना का संदेश देते हुए लौहपुरुष के बताए गए मार्ग से एकता के सूत्र में बंधे रहने का संकल्प प्रसारित किया गया बाद में बच्चों द्वारा एकता दौड़ का आयोजन किया।

प्रधानाध्यापिका श्रीमती शिल्पा चौहान ने अपने उद्बोधन में कहा कि पटेल जी प्रारंभिक जीवन से ही अन्याय सहन नहीं करते थे वह अन्याय का विरोध स्कूल के दिनों में ही करने लगे थे, स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात देसी रियासतों को एकीकरण कर अखंड भारत के निर्माण में उनका सबसे महत्वपूर्ण योगदान रहा है। जिसके कारण उन्हें लौह पुरुष कहा जाता है। छात्र अर्पित व अर्जुन ने लौहपुरूष के जीवन प्रसंग पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन श्री बनारसीलाल पाण्डेय ने तो वहीं धन्यवाद ज्ञापन श्री सुघर सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती अल्पना जायसवाल, श्रीमती सोनम जायसवाल, श्रीमती शिखा गुप्ता, श्री मनोज मिश्रा, श्री धीरेंद्र सिंह, श्री उमेश शुक्ला, श्री संजय, श्रीमती प्रभा, श्रीमती रीना सहित विद्यालयों के बच्चे एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

उद्यमिता विद्यापीठ ने खादी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए बच्चों को किया प्रेरित, दिलाई खादी की शपथ

खादी महोत्सव के अन्तर्गत 'वोकल फॉर लोकल' और मताधिकार के लिए लोगों को किया गया जागरूक

चित्रकूट/ "वोकल फॉर लोकल" पहल और प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा परिकल्पित 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' का समर्थन करने के लिए खादी महोत्सव का आयोजन खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग प्रशिक्षण केंद्र, उद्यमिता विद्यापीठ चित्रकूट द्वारा पूरे अक्टूबर माह में किया गया। जिसका समापन लोहिया सभागार दीनदयाल परिसर में किया गया। जिसमें दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन एवं गायत्री शक्तिपीठ के व्यवस्थापक डॉ. राम नारायण त्रिपाठी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री अभय महाजन ने कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों को खादी फॉर फैशन के साथ खादी के उन्नयन और विकास के लिए शपथ दिलाई।

दीनदयाल शोध संस्थान के प्रकल्प उद्यमिता विद्यापीठ द्वारा चित्रकूट क्षेत्र के विद्यालयों में पिछले एक माह से खादी के अभियान के रूप में 'खादी महोत्सव' की जानकारी दी गई और खादी की शपथ भी दिलाई गई। खादी ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केंद्र के प्राचार्य श्री मनोज सैनी ने कहा कि अभियान का उद्देश्य खादी और ग्रामोद्योग, हथकरघा, हस्तशिल्प, ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) उत्पादों और स्थानीय स्तर पर उत्पादित विभिन्न पारंपरिक और कुटीर उद्योगों और पारंपरिक कारीगरों को बढ़ावा देना है। इस दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि खादी वस्त्र गांधी जी का जीवन दर्शन है। जब आप एक खादी का वस्त्र खरीदते हैं तो आप हथकरघा उद्योग एवं भारत के हस्तशिल्प को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर युवाओं में खादी उत्पादों की सम्यक जानकारी देते हुए खादी उत्पाद अपनाने की शपथ दिलाई गई और केवीआईसी (खादी और ग्रामोद्योग) क्षेत्र की अभूतपूर्व पहलों पर प्रकाश डाला, जो आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्यों के अनुरूप महत्वपूर्ण विकास को दर्शाता है।

खादी महोत्सव के अन्तर्गत दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा मतदान देने के लिए लोगों को जागरूक किया गया। जो करे मतदान, वो भविष्य में सुरक्षित रहेगा इंसान। मतदान करके हमें अपना फर्ज निभाना होगा, मतदान करने में देर न हो जाये इसलिए हमें जल्दी मतदान केंद्र जाना होगा। भविष्य की फिक्र अगर आपको है तो समय रहते उठें और मतदान करने जाएं। मतदान केवल हमारा लोकतांत्रिक अधिकार नही हैं बल्कि यह सम्मान से जीने का अधिकार भी है। अंगुली पर लगी स्याही सिर्फ निशान नही आपकी शान है, देश की पहचान और लोकतंत्र की जान है और आपके अधिकार का सम्मान है। ऐसे कई स्लोगन और पोस्टरों से लोगों के बीच मतदान के प्रति जन जागरण भी किया गया।

कृष्णा देवी वनवासी विद्यालय की बालिकाओं ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

पहले मतदान फिर जलपान स्लोगन एवं नारों से लोगों को किया गया जागरूक

मझगवां/ भारतीय लोकतंत्र में मतदान एक महोत्सव के रूप में मनाया जाता है, जिसमें समस्त वयस्कों (जो अठारह वर्ष पूर्ण कर चुके है) को मतदान का अधिकार होता है। मध्य प्रदेश में दिनांक 17 नवम्बर 2023 को होने वाले मतदान से पूर्व मतदाताओं में मतदान के लिये जागरूकता हेतु दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा मझगवां में संचालित कृष्णा देवी वनवासी बालिका आवासीय विद्यालय की छात्राओं एवं कार्यकर्ताओं तथा कृषि विज्ञान केन्द्र के कार्यकर्ताओं द्वारा अन्य संस्थाओं के सहयोग से मतदान जागरुकता रैली निकाली गई।

इस अवसर पर दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन, विद्यालय की प्रबंधन समिति के सदस्य श्री नरेन्द्र गुप्ता सतना, सामाजिक कार्यकर्ता श्री चूड़ामणि सिंह, श्री राजेश दीक्षित, श्री हीरालाल पांडेय प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। रैली विद्यालय के वाल्मीकि परिसर से शुरू की गई जो चित्रकूट-सतना मुख्य सड़क से होते हुए मझगवां के सभी प्रमुख गली एवं बाजार में होते हुए वापस विद्यालय परिसर पहुंची। इस दौरान छात्र-छात्राएं हाथों में वोट देने की अपील की तख्तियां लेकर चल रहे थे। जिसमें पहले मतदान फिर जलपान, चाहे नर हो या नारी मतदान सब की जिम्मेवारी, वोट डालने जाना है अपना फर्ज निभाना है, मतदाता वोट हमारा अधिकार, कभी ना करें इसका बहिष्कार जैसी स्लोगन लिखा था। रैली के उपरांत दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि भारत एक मजबूत लोकतांत्रिक देश है। भारत के नागरिकों को शत प्रतिशत मतदान देकर एक सशक्त सरकार का निर्माण करने में अहम भूमिका निभानी चाहिए। देश के हर नागरिक जिनकी उम्र 18 वर्ष या उससे अधिक हो गयी हो वे सभी 17 नवम्बर को अपना मतदान जरूर करें। मतदाता जागरूकता रैली में मझगवां के विंध्य पब्लिक स्कूल के बच्चे भी सहभागी रहे। इसके अलावा दीनदयाल शोध संस्थान के ग्राम स्वावलंबन केन्द्रों, नगर के गणमान्यजन सहित कृषि विज्ञान केन्द्र मझगवां व विद्यालय के सभी कार्यकर्ताओं की रैली में उपस्थिति रही।

दीनदयाल शोध संस्थान ने विशाल रैली निकालकर लोगों को मतदान के लिए किया जागरूक

"मैं भारत हूँ हम भारत के मतदाता हैं, मतदान देने जाएंगे भारत के लिए" स्लोगन से चित्रकूट वासियों को दिया मतदान का संदेश

चित्रकूट के भरत घाट पर डीआरआई ने लोकतंत्र को मजबूत बनाने का दिलाया संकल्प

चित्रकूट/ मध्य प्रदेश में 17 नवम्बर 2023 को होने वाले मतदान से पूर्व मतदाताओं को जागरूक करने और मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए दीनदयाल शोध संस्थान की ओर से चित्रकूट नगर में दो अलग-अलग स्थानों से विशाल जागरुकता रैली निकाली गई। रैली में शामिल डीआरआई के कार्यकर्ता और छात्र नारेबाजी करते हुए लोगों को मतदान के लिए जागरुक कर रहे थे।

इस अवसर पर दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन, गायत्री शक्तिपीठ के प्रभारी डॉ. रामनारायण त्रिपाठी, कामतन से श्रीमती साधना मिश्रा प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं।

मतदाता जागरूकता रैली के तहत लोगों को अपने मतदाता अधिकार के प्रति जागरूक किया गया, और इसके साथ-साथ मतदान का अधिकार, महिला, पुरुष एवं वृद्धजन का मतदान प्रतिशत बढ़ाने, एवं अधिक से अधिक मतदान का संदेश भी दिया गया। जागरूकता रैली में दीनदयाल शोध संस्थान के शैक्षणिक प्रकल्प सुरेन्द्रपॉल ग्रामोदय विद्यालय, गुरुकुल संकुल, रामनाथ आश्रमशाला एवं दीनदयाल औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के बच्चे व एनसीसी कैडेट, एनएसएस छात्र तथा विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित दीनदयाल शोध संस्थान के आरोग्यधाम, उद्यमिता विद्यापीठ, सियाराम कुटीर, राम दर्शन, जन शिक्षण संस्थान, रसशाला, गौशाला आदि प्रकल्पों के कार्यकर्ता शामिल हुए। इसके अलावा गायत्री शक्तिपीठ और कामतन से शासकीय हायर सेकेन्डरी स्कूल के विद्यार्थी भी रैली में सहभागी रहे।

दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री

अभय महाजन ने सेल्फी लेने के साथ मताधिकार का सही प्रयोग करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि हमें लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए अपने वोट का इस्तेमाल अवश्य करना चाहिए। सभी मतदाता अपने-अपने मतदान के प्रति जागरूक हों व सभी भावी मतदाताओं को भी जागरूक करें।

गायत्रीशक्ति पीठ के डॉ. रामनारायण त्रिपाठी ने कहा कि मतदान करने से सशक्त राष्ट्र का निर्माण होता है। इसलिए सभी को शत प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित करें।

संदेश लिखें तख्ती बैनर थाम कर लगाए नारे

रैली में शामिल छात्र-छात्राएं और कार्यकर्ता मतदाताओं को जागरूक करने वाले संदेश लिखें तख्ती बैनर थाम कर नारे लगाते हुए चल रहे थे। सभी ने मतदाताओं से निर्भय होकर बिना किसी प्रलोभन के मतदान करने का संदेश दे रहे थे। जागरूकता रैली के द्वारा निर्भय होकर स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान के प्रति आमजन को जागरूक किया गया। पूरे रास्ते में छात्रों ने हाथों में लिए स्लोगन 'पहले मतदान फिर जलपान, बूढ़े हो या जवान सभी करें मतदान' आदि के माध्यम से लोगों को जागरूक किया।

पहली रैली सुरेन्द्रपॉल ग्रामोदय विद्यालय खेल प्रांगण, दीनदयाल परिसर से शुरू हुई। जो स्फटिक शिला मोड़ होते हुए आरोग्यधाम गेट, जानकी कुंड, रघुवीर मंदिर, कांच मंदिर, प्रमोद वन गेट, बस स्टैंड और सियाराम कुटीर होते हुए रामघाट पहुंची। वहीं एक दूसरी रैली रामनाथ आश्रम शाला पीली कोठी से शुरू होकर गायत्री शक्तिपीठ, पुरानी लंका होते हुए रामघाट पहुंची। जिसमें गायत्री शक्तिपीठ और शासकीय हायर सेकेन्डरी स्कूल कामतन के विद्यार्थी भी शामिल हुए। दोनों रैली भरत घाट पर जाकर सभा के रुप में सम्पन्न हुई। लगभग 1 किलोमीटर लंबी रैली में डेढ़ से दो हजार लोगों की उपस्थिति रही।

चित्रकूट के दीपावली मेला में प्रशासनिक व्यवस्था में सहयोग के लिए लगे कार्यकर्ताओं का डीआरआई ने किया सम्मान

चित्रकूट/ धर्म नगरी चित्रकूट में दीपावली पर सुप्रसिद्ध अमावस्या मेला में कानून एवं प्रशासनिक व्यवस्था में प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ सहयोग की दृष्टि से दीनदयाल शोध संस्थान के विविध प्रकल्पों से लगभग 60 कार्यकर्ताओं को मेला व्यवस्था में लगाया गया, उन सभी कार्यकर्ताओं की समीक्षा बैठक मंगलवार को उद्यमिता विद्यापीठ में दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन की उपस्थिति में की गई।

समीक्षा बैठक में श्री महाजन ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि 'भारत रत्न' राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख का कथन **'मैं अपने लिए नहीं अपनों के लिए हूं, अपने वे हैं जो पीड़ित और उपेक्षित है!'** को चरितार्थ करते हुए संस्थान के कार्यकर्ता समय-समय पर जरूरत पड़ने पर अपनी भूमिका सुनिश्चित करते हैं। जहां कम-वहां हम का भाव एक उत्कृष्ट कार्यकर्ता की पहचान है। ऐसे सभी कार्यकर्ता जिन्होंने दीपावली जैसे त्योहार पर अपने घर से दूर रहकर जरूरत के समय मिली जिम्मेदारी का निष्ठा पूर्वक निर्वहन किया, वे सभी कार्यकर्ता सम्मान योग्य हैं।

दीपावली मेला के दौरान 11 से 13 नवंबर तक चित्रकूट के प्रमुख स्थलों जिसमें भरतघाट, द्वितीय मुखारविंद, परिक्रमा पथ, गुप्त गोदावरी, हनुमान धारा, मेला कंट्रोल रूम व खोया पाया केन्द्र, पीली कोठी चौराहा, रजोला बस स्टैंड तथा रेस्ट हाउस आदि स्थानों पर दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा अपने चयनित कार्यकर्ताओं को प्रशासनिक सहयोग के लिए लगाया गया। इन सभी कार्यकर्ताओं का डीआरआई के संगठन सचिव श्री अभय महाजन द्वारा रोली-टीका लगाकर उपहार स्वरूप कंबल भेंटकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने पाइंट के व्यवस्था से जुड़े अपने अनुभवों व कठिनाइयों को भी समीक्षा बैठक में सभी के समक्ष रखा।

जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई भगवान बिरसा मुंडा जयंती

डीआरआई के प्रकल्पों एवं स्वावलंबन केन्द्रों सहित कई जगह हुए विविध कार्यक्रम
केवीके में 'प्याज के उन्नतशील बीजों' पर कृषक गोष्ठी का आयोजन

मझगवां/भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर दीनदयाल शोध संस्थान के शैक्षणिक प्रकल्प रामनाथ आश्रम शाला पीली कोठी, परमानन्द आश्रम पद्धति विद्यालय गनीवां, कृष्णादेवी वनवासी बालिका आवासीय विद्यालय मझगवां और कृषि विज्ञान केन्द्र मझगवां, कृषि विज्ञान केन्द्र गनीवां, आरोग्यधाम सहित सभी स्वावलंबन केन्द्रों पर बड़े हर्षोल्लास से 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं सभी के द्वारा पुष्पांजलि अर्पित कर हुआ।

कृषि विज्ञान केन्द्र मझगवां में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघचालक श्री रामबेटा कुशवाह, सामाजिक कार्यकर्ता श्री चूड़ामणि सिंह, श्री राजेश दीक्षित, श्री बलराम मिश्रा एवं दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन, वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री राजेन्द्र सिंह एवं केवीके प्रभारी डॉ. राजेन्द्र सिंह नेगी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य अतिथि श्री रामबेटा कुशवाह ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमें भगवान बिरसा मुंडा की तरह मजबूती से अपनी संस्कृति की रक्षा करनी होगी। उन्होंने अपने क्रांतिकारी चिंतन से आदिवासी समाज की दशा और दिशा बदलकर नवीन सामाजिक और राजनीतिक युग का सूत्रपात किया।

इस अवसर पर दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने कहा कि जनजातीय नायकों को और उनके योगदान को याद करने के लिए ये दिन बेहद खास है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समुदाय का उल्लेखनीय योगदान रहा है। पूर्वजों की परंपरा, रीति रिवाज, संस्कृति की रक्षा करना हम सबका धर्म है। हजारों वर्षों की साधना से धर्म, परंपरा व संस्कृति का विकास हुआ है। हमारी परंपरा से हमें जीवन में संघर्ष करने की प्रेरणा व शक्ति मिलती है। जनजातीय गौरव ही धर्म गौरव है। इस विशाल देश में रीति रिवाज व परंपरा में विविधता होते हुए भी हम सबका व्यवहार एक समान है। हम पेड़ पौधे व पशु पक्षियों की भी पूजा करते हैं।

डीआरआई के वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री राजेन्द्र सिंह ने कहा कि जल, जंगल, जमीन व जनजातीय संस्कृति एवं परंपराओं की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर देने वाले जनजातीय नायक भगवान बिरसा मुंडा के वीरता की कहानियाँ और आदर्श जीवन सदैव हम सभी को राष्ट्र एवं समाज के कमजोर वर्ग के उत्थान के कार्यों के लिए प्रेरित करता रहेगा। कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रभारी डॉ. राजेन्द्र सिंह नेगी द्वारा कार्यक्रम के अंत में आभार व्यक्त किया गया। इस कार्यक्रम में वाल्मीकि परिसर मझगवां के सभी कार्यकर्ताओं के अलावा लगभग 15 स्वावलंबन केन्द्रों से ग्रामीण महिला पुरुष भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उपरांत किसानों के बीच 'प्याज के उन्नतशील बीजों' पर कृषक गोष्ठी का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा किया गया। जिसमें केवीके प्रमुख डॉ. नेगी ने उपस्थित महिला पुरुष कृषकों को प्याज की बेहतर किस्मों और उसके उत्पादन के बारे में तकनीकी सत्रों के माध्यम से बताया गया।

शिक्षकों की स्किल और मैनेजमेंट क्वालिटी में इजाफा करने हुआ प्रशिक्षण

इंडक्शन प्रोग्राम के तहत शिक्षकों को शिक्षा के नवीन तकनीकी व शैक्षिक पहलुओं पर किया पारंगत

चित्रकूट/ दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा नवनियुक्त अध्यापकों के समक्ष आने वाली भावनात्मक, कार्यक्षमता और कार्यशैली के साथ-साथ अकादमिक, मनोवैज्ञानिक चुनौतियों को दूर करने की दिशा में दो दिवसीय इंडक्शन ट्रेनिग प्रोग्राम आयोजित किया गया, जिसका समापन उद्यमिता विद्यापीठ के सभागार में दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन और उपाध्यक्ष डॉ. नरेश शर्मा के द्वारा किया गया।

दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा अपने शैक्षणिक प्रकल्पों में नवीन शिक्षण पाठ्यकम से संबंधित दो दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम शिक्षकों के लिए 15 नवम्बर को शुरू किया गया। जिसमें संस्थान द्वारा संचालित सुरेन्द्रपॉल ग्रामोदय विद्यालय के 37, रामनाथ आश्रमशाला के 11, कृष्णा देवी वनवासी बालिका विद्यालय मझगवां के 9 तथा परमानन्द विद्यालय गनींवा के 4 शिक्षकों ने भाग लिया। इस प्रकार कुल 61 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भाग लिया।

प्रशिक्षक के रूप में सेन्ट्रल एकेडमी जबलपुर से आसमा जान (प्राचार्या), श्रीमती अर्चना शिन्दे, श्रीमती सुलभा शिन्दे, श्रीमती रमनदीप सलूजा, श्रीमती तनुश्री राय, श्रीमती दीपशिखा तिवारी, श्री लवि कुमार, श्री नीतेश शुक्ला तथा श्रीमती अनन्या शर्मा ने एन.ई.पी. से संबंधित गतिविधियों की जानकारी प्रदान की।

उद्घाटन सत्र में प्रो. भरत मिश्रा कुलपति महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, प्रो. योगेशचन्द्र दुबे पूर्व कुलपति जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय तथा सुरेन्द्रपॉल ग्रामोदय विद्यालय के प्राचार्य श्री मदन तिवारी उपस्थित रहे।

इस दौरान नवीन शिक्षक प्रशिक्षण की संक्षिप्त आख्या शैक्षणिक अनुसंधान केन्द्र के संयोजक श्री कालका प्रसाद श्रीवास्तव ने प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख ने 1992 में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन एवं सदाचार 4 आयामों को लेकर कार्य का प्रारम्भ किया, उसी समय से केजी टू पीजी शिक्षा की संकल्पना एक ही परिसर में रखकर नवीन शिक्षा नीति की शुरुआत नन्हीं दुनिया से हो गयी थी। जिसकी शुरुआत सरकार ने 2020 में की है, उसे श्रद्धेय नानाजी ने उसी समय प्रारम्भ कर दिया था।

कुलपति डॉ. भरत मिश्रा ने बताया कि चित्रकूट के हर प्रकल्प को देखकर ऐसा लगता है कि श्रद्धेय नानाजी ने

एन.ई.पी. की शुरुआत पूर्व में ही कर दी थी। चाहे वह ग्राम स्वावलंबन का कार्य हो या शिक्षा या सदाचार हर दिशा की सीख श्रद्धेय नानाजी ने कार्यकर्ताओं को उसी समय से देना प्रारम्भ कर दिया था। जो सरकारें आज कर रही हैं उन्हें नानाजी ने पूर्व में ही करके दिखा दिया है। प्रो. योगेशचन्द्र दुबे ने कहा कि नानाजी का पूरा जीवन ही सीखने सिखाने में निकल गया। इस प्रशिक्षण के माध्यम से नवनियुक्त शिक्षक आधुनिक विभागीय गतिविधियों, तकनीकों और कार्यशैली से परिचित होने के साथ ही कक्षा शिक्षण के लिए खुद को तैयार कर पाएंगे। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने विभिन्न तकनीकी सत्रों में महत्वपूर्ण विषयों पर विचार प्रकट किए व प्रतिभागियों से कई गतिविधियों व समूह कार्य भी करवाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालयों में नवनियुक्त अध्यापकों को शिक्षा के तकनीकी व शैक्षिक पहलुओं से संबंधित जानकारी प्रदान करना है। उन्हें अनुशासन, व्यवहारिक कक्षा शिक्षण, कक्षा की समस्याएं, छात्रों व अभिभावकों के साथ बातचीत और विचारों के आदान प्रदान, शिक्षा विभाग की उपलब्धियों, वर्तमान शिक्षा स्तर के बारे में जानकारी दी गई।

शिविर के समापन सत्र में दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन तथा दीनदयाल शोध संस्थान के उपाध्यक्ष डॉ. नरेश शर्मा पूरे समय उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री अभय महाजन ने कहा कि शिक्षक को जीवन पर्यन्त नवाचार सीखते रहना चाहिये और अपने ज्ञान को चैतन्य रखना चाहिये और छात्रों के सर्वांगीण विकास में अपना सबकुछ देना चाहिये।

श्री महाजन ने कहा कि दीनदयाल शोध संस्थान अपने शैक्षणिक प्रकल्पों में शिक्षकों व शिक्षण की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए विद्यालय में समय-समय पर विभिन्न संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जाता है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम भी इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। इंडक्शन प्रोग्राम से शिक्षकों की स्किल और मैनेजमेंट क्वालिटी में इजाफा होगा। वहीं नए शिक्षकों को इससे मदद मिलेगी।

दो दिवसीय शिविर का संचालन कुशलता पूर्वक श्रीमती रीना मालवीय ने किया। इस अवसर पर दीनदयाल शोध संस्थान के उप महाप्रबंधक डॉ. अनिल जायसवाल, श्री मनोज सैनी, श्री संतोष मिश्रा सहित दीनदयाल शोध संस्थान के समस्त शिक्षक बन्धु भगिनी पूरे समय उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सेन्ट्रल एकेडमी जबलपुर से आये सभी प्रशिक्षकों को शाल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

वैदिक मंत्रोच्चार एवं हवन-पूजन के साथ आरोग्यधाम परिसर की गौशाला सहित स्वावलंबन केन्द्रों में धूमधाम से मना गोपाष्टमी पर्व

डीआरआई के संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने गाय और बछड़े को गुड़ खिलाकर किया गोपाष्टमी का पूजन

चित्रकूटः दीनदयाल शोध संस्थान के प्रकल्पों में कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी को गोपाष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर आरोग्यधाम परिसर में स्थित गौवंश विकास एवं अनुसंधान केन्द्र, कृषि विज्ञान केन्द्र मझगवां व गनीवां की गोशालाओं सहित ग्रामीण स्वावलंबन केन्द्रों पर भी पूजा-अर्चना का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव श्री अभय महाजन की उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से गौ-पूजन एवं हवन सम्पन्न कराया गया। इसके बाद गोशाला में गाय, बछड़े और नंदी को गुड़ खिलाने के उपरांत माला पहनाकर पूजा-पाठ किया गया। गोशाला परिसर में कलश और दीप जलाकर विधिवत पूजा के बाद हवन किया गया।

इस मौके पर दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने कहा कि कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष की अष्टमी को गोपाष्टमी मनाया जा रहा है। आदिकाल से ही भारत में भारतीय गोवंश का महत्व रहा है, वेदों में गाय के दूध को अमृत और गाय को कामधेनु की संज्ञा मिली है। बैलों का महत्व समाज में स्थापित करने के लिए भगवान शंकर ने भी नंदी को अपना वाहन बनाया था।

देशी गायों के संरक्षण एवं पंचगव्य उत्पादों के लिए नानाजी ने किया था गोशाला का शुभारंभ

गोशाला के प्रभारी डा. राम प्रकाश शर्मा ने बताया कि गाय का गोबर, गोमूत्र, गोघृत, गोघी, गोदही आदि सभी पंचगव्य अव्यव मानव स्वास्थ्य संबंधी अनेक असाध्य बीमारियों की चिकित्सा में अत्यंत प्रभावी पाए गए हैं और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने भी पंचगव्य के कारगर प्रभाव को स्वीकार किया है। इन्हीं सब बातों को ध्यान में रखकर 'भारत रत्न' नानाजी देशमुख ने देशी नस्लों की गायों के संरक्षण एवं संवर्धन और पंचगव्य आधारित स्वदेशी उत्पादों के निर्माण के लिए आरोग्यधाम परिसर में गौवंश विकास एवं अनुसंधान केन्द्र की शुरुआत की थी। इस मौके पर दीनदयाल शोध संस्थान के वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री राजेन्द्र सिंह, शैक्षणिक अनुसंधान केंद्र के प्रभारी श्री कालिका प्रसाद श्रीवास्तव, समाज शिल्पी दंपत्ति प्रकल्प प्रभारी श्री हरीराम सोनी, जन शिक्षण संस्थान के निदेशक श्री अनिल कुमार सिंह, श्री बनारसी लाल पांडेय, आरोग्यधाम के डॉ. नरेंद्र द्विवेदी सहित गोशाला के प्रभारी डा. रामप्रकाश शर्मा व गोशाला परिवार के सभी लोगों ने पूजन में सहभागिता की। इसके अलावा पंचकोशाधारित गुरुकुल मुंबई के बच्चे भी गोपाष्टमी कार्यक्रम में सहभागी रहे।

केवीके एवं जेएसएस ने विकसित भारत संकल्प यात्रा का किया आयोजन

जनजातीय कृषकों को केवीके द्वारा कृषि यंत्र किये गए वितरित

गनीवां/ कृषि विज्ञान केंद्र गनीवां एवं जन शिक्षण संस्थान चित्रकूट द्वारा जनजातीय गौरव दिवस एवं विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन ग्राम गोपीपुर ब्लाक मानिकपुर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्षता कर रहे दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन, श्री बालकृष्ण त्रिपाठी मंडलायुक्त चित्रकूट धाम मण्डल बांदा, श्री विपिन कुमार मिश्रा उपमहानिदेशक पुलिस चित्रकूटधाम रेंज बांदा, सुश्री अमृतपाल कौर मुख्य विकास अधिकारी चित्रकूट, श्री रामजन्म यादव उपजिलाधिकारी मानिकपुर, ग्राम प्रधान श्री श्यामलाल कोल एवं कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. चंद्रमणि त्रिपाठी तथा जन शिक्षण संस्थान के निदेशक श्री अनिल कुमार सिंह द्वारा वीर बिरसा मुंडा जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व माल्यार्पण से हुआ।

कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डा चंद्रमणि त्रिपाठी ने कहा कि भारत का जनजाति समाज अपनी आध्यात्मिक परंपराओं व विशिष्ट संस्कृति और श्रेष्ठ जीवन मूल्यों के साथ भारतीय सभ्यता और संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है, जब जब देश की सुरक्षा पर संकट आया जनजाति समाज ने अपने त्याग और बलिदान से राष्ट्र की रक्षा में अपना संपूर्ण योगदान दिया है। साथ ही विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत किसानों को जल एवं वन संरक्षण के लिए शिक्षित करना उन्हें बिना पानी को बर्बाद किए होने वाली सिंचाई तकनीक से अवगत कराना और जलाशयों पर निर्भर रहने के स्थान पर उन्हें वर्ष भर के लिए जल संरक्षण करना तथा उसका सिंचाई में अधिकाधिक उपयोग करने की तकनीक बताना भी इस कार्यक्रम का उद्देश्य रहा।

इस अवसर पर टी एस पी परियोजना अंतर्गत संस्थान द्वारा किये जा रहे कार्यों, गतिविधियों एवं उसके परिणामों की जानकारी प्रस्तुत की। वैज्ञानिक श्री उत्तम त्रिपाठी ने कहा कि जनजाति समाज के द्वारा किए गए योगदान संघर्ष और

बलिदान के स्मरण के लिए भगवान बिरसा मुंडा के जन्म दिवस को जनजाति गौरव दिवस के रूप में हम सभी मना रहे हैं। जनजाति समाज ने कभी भी अंग्रेजों की दासता को स्वीकार नहीं किया है, समय-समय पर विद्रोह और संघर्ष कर समाज को संगठित व सजग करने का अथक प्रयास किया है, हमें उनके जीवन से सीख लेकर अपने समाज व राष्ट्र को आगे बढ़ाना होगा।

जन शिक्षण संस्थान के निदेशक श्री अनिल कुमार सिंह ने कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न रोजगार परक प्रशिक्षण कार्यक्रमों व अन्य गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान कर स्वावलंबी बनने की बात कही, साथ ही स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों के आधार पर हम स्वयं आत्मनिर्भर बनकर आत्मनिर्भर समाज तथा आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करें, हम सभी व्यक्तिगत जीवन में स्वावलम्बी एवं सामाजिक जीवन में परस्परावलम्बी बनें।

सुश्री अमृतपाल कौर मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि आप सबकी ऊर्जा, उत्साह उत्तम है। शासन की योजनाएं आप तक पहुंचाने का कार्य हो रहा है। अभी भी नशा रूपी एक सामाजिक बुराई यहाँ बहुतायत में दिखाई पड़ती है। आप सभी से आग्रह है कि आज आप सभी यह संकल्प लें कि इस बुराई का समूल नाश सभी ग्रामवासी सामूहिक प्रयत्न से जड़ से समाप्त कर देंगे, जिससे आप सभी को बेहतर स्वास्थ्य मिलेगा एवं इसमें व्यय होने वाली धनराशि आपके परिवारों की अन्य सुविधाओं के काम आएगी। उन्होंने ग्रामीणों द्वारा चेकडैम के मरम्मतीकरण तथा एक फेस विद्युतीकरण को तीन फेस में परिवर्तित करने का कार्य शीघ्र योजना बनाकर पूर्ण करवाने का भरोसा दिलाया।

श्री विपिन कुमार मिश्रा, उपमहानिदेशक, पुलिस ने अपने पूर्व के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि यहाँ के वनवासी बन्धु/भगिनी सदैव स्वभिमान पूर्वक अपना जीवन निर्वाह करने हेतु प्रयत्नशील रहे हैं वे सदैव विपरीत परिस्थितियों में भी समाज के अभिन्न अंग बनकर जल, जंगल, जमीन की सुरक्षा करते रहे हैं। आप सभी शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बन अपनी आय में वृद्धि करिए साथ ही विपणन एवं प्रसंस्करण को भी उन्नत बनाइये। प्रशासन सदैव आपके सहयोग के लिए तत्पर रहेगा।

मुख्य अतिथि श्री बालकृष्ण त्रिपाठी मंडलायुक्त ने कहा कि 'भारत रत्न' नाना जी देशमुख की सोच कितनी दूरदर्शी थी, वे कहते थे कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम मानव समाज के कल्याण के लिए संकल्पित रहे। जिस तरह श्रीराम ने लंका विजय के लिए स्थानीय समाज को एकजुट करके लंका पर विजय प्राप्त की। उसी प्रकार हम सब भी संगठित होकर सामूहिक प्रयत्न से अपने परिवार, समाज व राष्ट्र को बेहतर बनाने हेतु कृत संकल्पित हों। संस्थान आज भी राष्ट्रऋषि नाना जी की उस परम्परा का निर्वहन कर सामाजिक विकास के लिए सतत प्रयत्नशील है और यह प्रतिबद्धता आगे भी बनी रहेगी ऐसी अपेक्षा एवं विश्वास है। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी से अपेक्षा की, संस्थान जिन ग्राम आबादियों में सघनीभूत होकर कार्य कर रहा है वहाँ कैम्प लगाकर शासन की सभी योजनाओं एवं प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराएं जिससे सभी को बेहतर लाभ प्राप्त हो सके।

अध्यक्षीय उदबोधन करते हुए श्री अभय महाजन राष्ट्रीय संगठन सचिव दीनदयाल शोध संस्थान ने कहा कि जनजातीय नायकों को और उनके योगदान को याद करने के लिए ये दिन बेहद खास है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समुदाय का उल्लेखनीय योगदान रहा है। पूर्वजों की परंपरा, रीति रिवाज, संस्कृति की रक्षा करना हम सबका धर्म है। हजारों वर्षों की साधना से धर्म, परंपरा व संस्कृति का विकास हुआ है। हमारी परंपरा से हमें जीवन में संघर्ष करने की प्रेरणा व शक्ति मिलती है। उन्होंने कहा कि नाना जी सदैव कहते थे कि व्यक्ति जब तक स्वावलंबी नहीं होगा तब तक वह स्वाभिमानी नहीं बनेगा स्वयं के पुरुषार्थ के बल पर हमें आत्मनिर्भर बनना है, जनता की पहल, सहभागिता एवं पुरुषार्थ के आधार पर किया गया कार्य ही टिकाऊ होता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में गृह वैज्ञानिक श्रीमती ममता त्रिपाठी, श्री पुष्पेंद्र सिंह, डॉ. मनोज शर्मा, श्री सतीश पाठक, श्री प्रभाकर मिश्रा, श्री अंकुर त्रिपाठी, श्री सुरेश यादव एवं श्री गणेश पटेल ने अथक परिश्रम किया। कार्यक्रम में 27 गांवों से लगभग 1000 आदिवासी महिला पुरुष उपस्थित रहे। आदिवासी बच्चियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये गए। उपस्थित ग्रामीणजनों ने खेती किसानी, बागबनी, जल शक्ति, पशुपालन, पोषण तथा स्वास्थ के संदर्भ में संस्थान के द्वारा किये जा रहे प्रयासों से उनके जीवन स्तर में हो रहे परिवर्तनों से सभी को अवगत कराया।

कृषि विज्ञान केंद्र एवं जन शिक्षण संस्थान द्वारा कार्यक्रम में लोगों को जागरूक करने हेतु श्री अन्न व प्रशिक्षणार्थियों द्वारा तैयार की गई सामग्रियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई साथ ही महिला, पुरुष कृषकों को अतिथियों द्वारा कृषि यंत्र वितरित किये गए।

भगवान बिरसा मुण्डा के जीवन पर कृष्णा देवी वनवासी बालिका विद्यालय में व्याख्यानमाला आयोजित

जनजातीय समुदायों के गौरवशाली इतिहास पर दीनदयाल शोध संस्थान में 26 नवम्बर तक कई कार्यक्रमों का आयोजन

सांस्कृतिक प्रदर्शन, प्रदर्शनियां और व्याख्यान कार्यक्रमों से भावी पीढ़ी को किया जा रहा जागरूक

मझगवां/जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रमों के अंतर्गत दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा संचालित कृष्णा देवी वनवासी बालिका आवासीय विद्यालय मझगवां के सभागार में भगवान बिरसा मुण्डा जी के जीवन पर आधारित व्याख्यानमाला आयोजित की गई। दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा 15 से 26 नवम्बर तक जनजातीय आबादी की अनूठी परंपराओं और रीति-रिवाजों के प्रति जागरूकता और प्रशंसा को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक प्रदर्शन और चर्चाओं वाले विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन, रानी दुर्गावती शोध समिति के संरक्षक श्री चूड़ामणि सिंह, मझगवां थाना टीआई श्री हेमकरन धुर्वे, अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती किरण अग्रवाल एवं श्रीमती नविता अग्रवाल द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। उसके बाद कृष्णा देवी वनवासी विद्यालय की जनजातीय बालिकाओं द्वारा अपने पारंपरिक पोशक और परिवेश में जनजातीय समाज की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गई।

इस अवसर पर श्री चूड़ामणि सिंह द्वारा जनजातीय बालिकाओं को भगवान बिरसा मुण्डा के जीवन पर आधारित जानकारी दी गई तथा आदिवासी समाज एवं विभिन्न वंचित वर्गों के उत्थान हेतु उनके द्वारा किये गए कार्यों पर प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने बताया कि दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा आने वाली पीढ़ियों को देश के लिए जनजातीय समाज के बलिदान के बारे में जागरूक करने के लिए, जनजातीय समुदायों के गौरवशाली इतिहास और सांस्कृतिक विरासत की विविधता और देश के इतिहास में जनजातीय समुदायों के योगदान को प्रदर्शित करके एकता और गौरव की भावना को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम एवं गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। श्रीमती किरण अग्रवाल द्वारा इस व्याख्यानमाला में उपस्थित प्रतिभागियों से भगवान बिरसा मुण्डा के सामाजिक उत्थान हेतु किये गए संघर्षो से सीख लेने का आह्वान किया गया ताकि वर्तमान समाज को देश हित में कार्य करने हेतु प्रेरणा मिल सके।

टीआई श्री हेमकरन धुर्वे ने जनजातीय गौरव पर आयोजित इस कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए भगवान बिरसा मुण्डा के जीवन से जुड़ी विभिन्न घटनाओं से बच्चियों को अवगत कराया तथा स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान पर विभिन्न जानकारियां सभी से साझा कीं। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र मझगवां एवं विद्यालय के कार्यकर्ताओं के अलावा कई ग्रामों से आए अभिभावकों सहित जनजातीय समाज के लगभग 200 महिला-पुरुष उपस्थित रहे।

दीनदयाल शोध संस्थान एवं सेवा यूके के द्वारा विशेष

'ऑटो रिक्शा रन' का गुजरात के धौलावीरा में समापन

समापन समारोह में ऑटो रिक्शा रन की सपोर्ट टीम एवं प्रतिभागियों को मेडल से किया गया सम्मानित

अप्रवासी भारतीयों के लिए भारत की कला, गांव की संस्कृति को समझने का यह बहुत ही अच्छा अनुभव

चित्रकूट में सर्व सुलभ उच्चस्तरीय चिकित्सा सेवाओं की व्यापकता के लिए दीनदयाल शोध संस्थान एवं सेवा इंटरनेशनल यूके के द्वारा आयोजित "ऑटो रिक्शा रन" यात्रा का गुजरात के धौलावीरा में समापन हुआ। 12 दिसम्बर को चित्रकूट के आरोग्यधाम से 108 अप्रवासी भारतीयों की "ऑटो रिक्शा रन" को हरी झंडी दिखाकर रवानगी दी गई थी। यह आटो रन सतना होते हुए चार राज्यों से गुजरकर कच्छ जिले के हडप्पा कालीन धौलावीरा में पूर्ण हुई। हर जिले में सभी अप्रवासी भारतीयों का माला, पुष्प वर्षा के साथ तिलक लगाकर, ढोल नगाड़ों के बीच भव्य स्वागत किया गया।

ऑटो रिक्शा रन में अप्रवासी भारतीयों को ऑटो रिक्शा चलाकर अलग-अलग राज्यों की संस्कृति से रूबरू होने का मौका मिला। प्रत्येक रिक्शा में 3 प्रतिभागी रहे और उन्होंने बारी-बारी से रिक्शा चलाया। यात्रा के दौरान सभी लोग भारतीय ग्रामीण जीवन शैली की झलक पाते हुए व सेवा के प्रकल्पों को देखते समझते आगे बढ़ें, 2 हफ्ते में 2000 किमी से अधिक दूरी तय की गई। दल का मार्गदर्शन दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन एवं सेवा इंटरनेशनल के श्री भरत भाई ने किया। इस दल में सभी आयु वर्ग के महिला एवं पुरुष सम्मिलित रहे, जो यूके, यूएसए, केन्या एवं ऑस्ट्रेलिया से आए। अपने अनुभव में अप्रवासी भारतीयों ने बताया कि भारत की कला, गांव की संस्कृति को समझने का यह बहुत ही अच्छा अनुभव रहा। पहली बार कुछ लोग गांव गए, गांव देखा हमारे पूर्वज कैसे रहते थे उसको देखा। यात्रा में बहुत ही चैलेंज रहा। पर दीनदयाल शोध संस्थान का सहयोग अतुलनीय है। समापन के दौरान अपने यात्रा के अनुभव बताते हुए कहा

कि जब कोई भारत आता है तो वो एक सैलानी की भांति आता है, मगर जब उसे भारत की संस्कृति और विविधता में एकता को समझने का मौका मिलता है तो उसे एक परिवार का हिस्सा होने की अनुभूति होती है।

समापन कार्यक्रम में सेवा यूके भारत के जनरल सेक्रेटरी श्री श्याम परांडे, सेवा यूके के ट्रस्टी श्री भरत बड़कुल, श्री विजय जाधव जी, श्री हरीश बुधिया समन्वयक रिक्शा रन, श्री किशन मेहता, श्री संजय कराई आदि मंच पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री सुमित शर्मा लन्दन ने किया। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने अपने-अपने अनुभव भी व्यक्त किये।

आभासी रूप में जुड़े भारत सरकार के विदेश राज्य मंत्री श्री वी मुरलीधर जी ने कहा कि विश्व के विभिन्न प्रांतों से आए हुए सभी रिक्शा रन के यात्रियों का भारत में हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करता हूँ, सबसे पहले चित्रकूट की नगरी को मैं सादर प्रणाम करता हूँ, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की तपोभूमि एवं नाना जी देशमुख की कर्मस्थली से आप लोगों ने यह यात्रा प्रारंभ किया, सभी को साधुवाद। समापन पर आटो रिक्शा रन की सपोर्ट टीम दीनदयाल शोध संस्थान, मासिक मिलन टीम मुंबई के कार्यकर्ताओं सहित प्रतिभागियों को मेडल से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख स्मृति नेशनल क्रिकेट टूर्नामेंट-2023 का दीनदयाल परिसर में समापन

रोमांचक फाइनल मुकाबले में भदोही ने मैहर को तीन विकेट से हराकर ट्रॉफी पर किया कब्जा

चित्रकूट/ 'भारत रत्न' राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख जी की स्मृति पर चित्रकूट स्पोर्ट क्लब कर्वी एवं दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट द्वारा आयोजित किए जा रहे नेशनल क्रिकेट टूर्नामेंट चित्रकूट चैलेंज कप 2023 का रोमांचक फाइनल मैच 25 दिसम्बर को उत्तर प्रदेश की भदोही और मध्य प्रदेश की मैहर टीम के बीच खेला गया। जिसमें भदोही ने मैहर को तीन विकेट से हराकर चित्रकूट चैलेंज कप 2023 पर कब्जा किया।

टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए मैहर की टीम ने 19 ओवर में सिद्धांत के शानदार 56 एवं आकर्ष के 22 रनों के योगदान से सभी विकेट खोकर 119 रन बनाए। भदोही के कैफ एवं शिवम को तीन-तीन विकेट प्राप्त हुए। 120 रनों के लक्ष्य को भदोही ने विशाल शुसलिंग (40) एवं ऋतिक राय (27) के बीच हुई 64 रनों की शानदार साझेदारी की बदौलत 19.5 ओवर में 7 विकेट खोकर प्राप्त किया और तीन विकेट से रोमांचक जीत दर्ज की। फाइनल मैच में शानदार 40 रन एवं एक विकेट प्राप्त करने वाले भदोही के विशाल शुसलिंग को आज का मैन ऑफ द मैच पुरस्कार दिया गया।

भव्य समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में कामतानाथ प्रमुख द्वार के उत्तराधिकारी महंत मदन गोपाल दास जी महाराज, पंजाबी भगवान आश्रम से महंत दिनेश दास जी महाराज, जानकी महल से श्री सीताशरण दास जी महाराज, महंत किशन दास जी महाराज, जिला पंचायत अध्यक्ष बांदा श्री सुनील सिंह पटेल, विधायक कर्वी श्री अनिल प्रधान, नगर पालिका अध्यक्ष कर्वी श्री नरेंद्र गुप्ता, पूर्व सांसद बांदा चित्रकूट श्री भैरो प्रसाद मिश्रा, पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा चित्रकूट श्री चंद्रप्रकाश खरे, जिला अध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा श्रीमती दिव्या त्रिपाठी, अध्यक्ष जिला कोऑपरेटिव बैंक श्री पंकज अग्रवाल, वरिष्ठ समाजसेवी श्री अभिमन्यु सिंह, सांसद प्रतिनिधि श्री शक्ति प्रताप तोमर, वरिष्ठ अधिवक्ता श्री अशोक गुप्ता, खेल प्रशिक्षक सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट श्री तुषारकांत शास्त्री, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि श्री विनीत सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता श्री सुनील सिंह पटेल, इंजीनियर सिंचाई विभाग श्री गुरु प्रसाद, वरिष्ठ समाजसेवी श्री राम मनोहर वर्मा, दीनदयाल शोध संस्थान के उप महाप्रबंधक डॉ. अनिल जायसवाल, श्री कालिका प्रसाद श्रीवास्तव, इंजी राजेश त्रिपाठी, श्री मनोज सैनी, श्री संतोष मिश्र, श्री मदन तिवारी, श्री अशोक पांडे की गरिमामयी उपस्थिति में विजयी खिलाड़ियों को ट्राफी एवं नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

टूर्नामेंट के बेस्ट बैटर मैहर के आकर्ष सिंह, बेस्ट बॉलर भदोही के मोहम्मद कैफ, बेस्ट फील्डर मैहर के मोहम्मद जुबैर एवं प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट मैहर के आकर्ष सिंह रहे। टूर्नामेंट के बेस्ट अंपायर शिवाकांत त्रिवेदी, रोशन सेन, राधेश्याम वाघमारे, आलोक सिंह बेस्ट कमेंटेटर प्रेम यादव, सर्वेश निगम बेस्ट स्कोरर शशि भूषण सिंह, राघवेंद्र सिंह रहे। टूर्नामेंट को सफल बनाने में रवि पाल, राहुल पाल, अमित विक्रम, अंकुर यादव, रमाकांत कुशवाहा, मनीष, रामेश्वर प्रजापति, विजय प्रजापति, श्रवण प्रजापति, गणेश प्रजापति, अशोक सेन, महेश प्रजापति, कमरुल इस्लाम आदि का योगदान विशेष सराहनीय रहा। जिन्हें समिति द्वारा स्मृति चिह्न एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। समापन समारोह में मंच संचालन श्री साकेत बिहारी शुक्ला एवं आभार प्रदर्शन श्री अशोक पांडेय ने किया।

दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव श्री अभय महाजन की स्वर्गीय माताजी श्रीमती सिंधु नारायण को श्रद्धांजलि हेतु दीनदयाल परिसर में स्मृति सभा आयोजित

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री, मंत्रियों एवं स्थानीय जन प्रतिनिधियों सहित प्रमुख गणमान्य लोगों ने दी श्रद्धांजलि

चित्रकूट। दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन की पूजनीय माताजी श्रीमती सिंधु नारायण महाजन का स्वर्गवास दिनांक 28 दिसम्बर को वर्धा, महाराष्ट्र में हो गया था। उनकी आत्मशांति हेतु चौदहवां एवं प्रसाद कार्यक्रम 10 जनवरी को वर्धा (महाराष्ट्र) में सम्पन्न हुआ था। जिसमें चित्रकूट-सतना सहित प्रदेश भर से सामाजिक, राजनैतिक एवं विविध क्षेत्रों से लोगों ने वर्धा पहुंचकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री अभय महाजन के वर्धा से लौटने के उपरांत दिवंगत पुण्य आत्मा को श्रद्धांजलि हेतु स्मृति सभा 16 जनवरी को सायं 4 बजे दीनदयाल परिसर के विवेकानंद सभागार, चित्रकूट में आयोजित की गई। इसके अलावा दीनदयाल शोध संस्थान के सभी समाज शिल्पी दंपत्ति व स्वावलंबन ग्रामीण केंद्रों पर भी ग्रामवासियों के द्वारा स्मृति सभा का आयोजन हुआ।

दीनदयाल परिसर चित्रकूट में आयोजित स्मृति सभा के दौरान डीआरआई के सभी प्रकल्पों के प्रमुख पदाधिकारियों सहित चित्रकूट, सतना, बांदा, भोपाल एवं अन्य जिलों के गणमान्य लोगों ने स्वर्गीय श्रीमती सिंधु नारायण महाजन जी के तैल चित्र पर पुष्पांजलि के साथ दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। श्रद्धांजलि सभा का संचालन दीनदयाल शोध संस्थान के महाप्रबंधक श्री अभिताभ वशिष्ठ द्वारा किया गया।

स्मृति सभा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्रद्धा पुष्प अर्पित करते हुए उद्बोधन में कहा कि मैं अभय जी के इस व्यक्तिगत दुःख में सहभागी हूँ। अभय जी से हमारा पारिवारिक संबंध रहा है, विद्यार्थी परिषद का कार्य करने का वह समय याद आता है जब हम एक साथ कार्य करते थे और अभय

जी के परिवार में माता जी एवं पूरे परिवार का प्यार एवं अपनत्व सदैव मिलता रहा है। मैं उसको शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता हूँ। मैं उनके परिवार के एक सदस्य के रूप में रहा हूँ। अभय जी ने नाना प्रकार के आकर्षणों को त्यागकर अपना जीवन समाज कार्य के लिए समर्पित किया है, वह बिना माता-पिता की प्रेरणा, आशीर्वाद के सम्भव नहीं। ऐसी ममतामयी पुण्यात्मा को प्रभु अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें एवं उनका आशीर्वाद सदैव हम सभी पर बना रहे।

इस अवसर पर गायत्री शक्ति पीठ के डॉ. रामनारायण त्रिपाठी, रामायणी कुटी के महंत राम हृदय दास जी महाराज, कामदगिरि मुखारविंद के महंत श्री मदन गोपाल दास, महंत श्री सीताशरण दास जी एवं रीवा से सज्जी जान एवं कमल सोनी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से श्री उत्तम बनर्जी, श्री वीरेंद्र चतुर्वेदी द्वारा भी स्मृति उद्बोधन दिया गया।

स्मृति सभा में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे!

सतना, चित्रकूट एवं भोपाल से उपस्थित प्रमुख गणमान्य

डॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन, श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर-ऊर्जा मंत्री, श्री लखन पटेल-पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार, श्री दिलीप जायसवाल-कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार, श्रीमती प्रतिमा बागरी-नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री मध्य प्रदेश शासन, श्री गणेश सिंह-सांसद सतना, श्री सुरेंद्र सिंह गहरवार-विधायक चित्रकूट, श्री रामखेलावन पटेल-पूर्व मंत्री, श्री योगेश ताम्रकार-महापौर सतना, श्री विक्रम सिंह-विधायक रामपुर, श्री भगवानदास सबनानी-विधायक भोपाल, श्री रणवीर सिंह रावत-प्रदेश महामंत्री भाजपा, श्री शंकरलाल तिवारी-पूर्व विधायक सतना, श्री कमल सोनी-सदस्य माटी कला बोर्ड, श्री जितेंद्र जामदार-उपाध्यक्ष जन अभियान परिषद, श्री मनीष सिन्हा-अध्यक्ष प्रिज्म सीमेंट, श्री रमेश सिंह-संचालक स्टार ग्रुप, श्री उत्तम बनर्जी-प्रान्त सह कार्यवाह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, डॉ. वी.के. जैन-ट्रस्टी सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट, श्री वीरेंद्र चतुर्वेदी, श्री बृजकांत जी-प्रांत प्रचारक महाकौशल प्रांत, पदमश्री जलपुरुष उमाशंकर पाण्डेय-जखनी, श्री राम बेटा कुशवाहा-जिला संघचालक सतना, श्रीमती प्रभा गुप्ता-सदस्य राज्य महिला आयोग उत्तरप्रदेश, श्री चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय-पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश शासन, श्रीमती साधना पटेल-अध्यक्ष नगर पंचायत चित्रकूट, श्री लवकुश चतुर्वेदी जिलाध्यक्ष भाजपा चित्रकूट, श्री जगदीश गौतम, श्री अनुराग वर्मा-कलेक्टर सतना, श्री आशुतोष गुप्ता-पुलिस अधीक्षक सतना।

प्रमुख सन्त महंत—महंत रामजीदास संतोषी अखाड़ा चित्रकूट, महंत सीता शरण दास जानकी महल, महंत फलाहारी आश्रम, नागाजी पंजाबी भगवान आश्रम, महंत बलराम दास जी राम जानकी मंदिर, डॉ. रामनारायण त्रिपाठी गायत्री शक्तिपीठ, मदन गोपाल दास जी कामदगिरी पीठ, महंत वरुण जी बडामठ, महंत रामहृदय दास रामायणी कुटी, सनकादिक जी महाराज, महंत पवन बाबा सती अनुसुइया आश्रम, प्रदीप तिवारी व्यवस्थापक मत्यगजेन्द्रनाथ मंदिर

कुलपति एवं पूर्व कुलपति

डॉ. ए.के. सिंह-कुलपति केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी, प्रो. मुकेश पाण्डेय-कुलपति बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी, डॉ. पी.के. मिश्रा-कुलपति जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर, डॉ. भरत मिश्रा-कुलपति महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट, डॉ. कपिल देव मिश्र-पूर्व कुलपति रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, डॉ. नरेश चंद्र गौतम पूर्व कुलपति महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, डॉ. राजाराम यादव कुलपति पूर्वांचल विश्वविद्यालय।

राज्य सरकार के सचिव

डॉ. राजेश राजौरा अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह/ धर्मार्थ, शिवशेखर शुक्ला प्रमुख सचिव पर्यटन, सुखबीर सिंह प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग, धनंजय भदौरिया सचिव ग्रामीण विकास, इलैया टी राजा एमडी पर्यटन, भरत यादव आयुक्त नगरीय प्रशासन।

विवेकानन्द जी की 161वीं जयंती पर सूर्य नमस्कार, गोष्ठी, परिचर्चा सहित हुआ विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

जन शिक्षण संस्थान ने मानिकपुर एवं मऊ सहित सभी प्रशिक्षण केंद्रों पर मनाई विवेकानंद जयंती

युवा दिवस पर खादी ग्रामोद्योग आयोग के अन्तर्गत पूर्व प्रशिक्षणार्थियों का हुआ सम्मेलन

चित्रकूट/ युवा शक्ति के प्रतीक स्वामी विवेकानंद जी की 161वीं जयंती को चित्रकूट के सभी प्रकल्पों में धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर विभिन्न प्रकल्पों में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण व सूर्य नमस्कार के साथ विचार गोष्ठी एवं परिचर्चा सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जयंती अवसर पर रामनाथ आश्रमशाला चित्रकूट एवं सुरेन्द्र पाल ग्रामोदय विद्यालय में सूर्य नमस्कार एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया। तो वहीं एक अन्य कार्यक्रम में उद्यमिता विद्यापीठ में खादी ग्रामोद्योग आयोग के अन्तर्गत पूर्व प्रशिक्षणार्थियों का सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें विवेकानंद जी के जीवन से जुड़े प्रसंगों की जानकारी दी गई। इसमें दीनदयाल शोध संस्थान के समाज शिल्पी दंपति प्रभारी डॉ. अशोक पांडेय, केव्हीआईसी के प्राचार्य श्री मनोज सैनी, ITI के उप प्राचार्य श्री संजय दुबे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा संचालित एवं कौशल विकास मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित जन शिक्षण संस्थान चित्रकूट द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस कार्यक्रम का आयोजन मानिकपुर एवं मऊ के साथ साथ ही जिले में संस्थान द्वारा चलाये जा रहे सभी प्रशिक्षण केंद्रों पर स्वामी विवेकानन्द जी के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ। इस अवसर पर विविध कार्यक्रमों का जिसमें सामूहिक योग, मेंहदी प्रतियोगिता आदि का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जन शिक्षण संस्थान के निदेशक श्री अनिल कुमार सिंह ने कहा कि स्वामी जी का जीवन आध्यात्मिकता, राष्ट्रभक्ति और कर्मठता के लिए सदैव प्रेरित करता है। उनके उच्च विचार एवं उनके आदर्श सभी युवाओं का सदैव मार्गदर्शन करते रहेंगे। उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को अपने जीवन में अपनाकर हम सभी देश को एकता के सूत्र में पिरोने का कार्य कर सकते हैं। स्वामी जी ने नैतिकता को मन के नियंत्रण से जोड़ा, सत्य, पवित्रता और निःस्वार्थता को उन लक्षणों के रूप में देखा जो इसे मजबूत करते हैं। उन्होंने सभी से पवित्र, निस्वार्थ और श्रद्धा रखने की सलाह दी साथ ही ब्रह्मचर्य का समर्थन किया, क्योंकि इसे वे शारीरिक और मानसिक सहनशक्ति और वाक्पटुता का स्रोत मानते थे। अनुदेशक श्री आशीष सोनी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी छात्र छात्राओं को स्वामी विवेकानंद के जीवन से प्रेरणा लेने का आग्रह किया और जीवन में उच्च मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर–छात्र दुर्गेश कुमार एवं छात्रा साक्षी द्विवेदी के द्वारा समाज मे युवाओं की भूमिका और सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में प्रबन्ध मण्डल की सदस्य श्रीमती बबिता सिंह, प्रीति जायसवाल सहित सभी केंद्रों में अनुदेशकों के साथ साथ प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

अब मिलेगी समय पर सहायता...

सड़क, औद्योगिक दुर्घटना और प्राकृतिक आपदा की स्थिति में नि:शुल्क वायु परिवहन सेवा

पीएमश्री

एयर एम्बुलेंस सेवा

संचालन प्रारंभ

"हमारी सरकार प्रदेश की जनता को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराते हुए स्वस्थ मध्यप्रदेश के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए संकल्पित है। अब प्रदेश में गंभीर रोगियों को पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा के जरिए उचित समय पर बेहतर इलाज मिल सकेगा"

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

योजना के बारे में अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें : 9111777858

सशुल्क एयर एम्बुलेंस सेवा भी उपलब्ध, सम्पर्क करें : 0755-4092530

- आयुष्मान कार्ड धारक को प्रदेश व देश में कहीं भी इलाज हेतु शासकीय और आयुष्मान सम्बद्ध अस्पताल में नि:शुल्क सुविधा
- आयुष्मान कार्ड धारक न होने पर प्रदेश के शासकीय अस्पतालों में नि:शुल्क परिवहन सुविधा जबकि प्रदेश के बाहर निर्धारित शुल्क पर परिवहन सुविधा
- सड़कों या औद्योगिक स्थलों पर होने वाली दुर्घटना, हृदय रोगी या जहर से प्रभावित व्यक्ति को अब मिल सकेगा अच्छे चिकित्सा संस्थानों में समय पर इलाज
- अस्पताल द्वारा मरीज की स्थिति की गंभीरता की जांच के उपरांत मिल सकेगी एयर एम्बुलेंस की सुविधा

एयर एम्बुलेंस सेवा की अनुमति

- दुर्घटना प्रकरण में संभाग के अंदर जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की अनुशंसा पर जिला कलेक्टर द्वारा
- दुर्घटना अथवा अन्य आपदा की स्थिति में संभाग के बाहर परिवहन हेतु स्वास्थ्य आयुक्त द्वारा
- दुर्घटना के अतिरिक्त अन्य गंभीर प्रकरणों में प्रदेश के अंदर संबंधित चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता की अनुशंसा पर संभागीय आयुक्त द्वारा
- प्रदेश के बाहर गंभीर रोगी या दुर्घटना पीड़ित आयुष्मान कार्डधारी होने पर संचालक चिकित्सा शिक्षा द्वारा
- सशुल्क परिवहन हेतु एन.एच.एम. कार्यालय स्तर पर अनुमति मिलेगी

- रोगी/पीड़ित को एयर एम्बुलेंस तक पहुंचाने के लिए संजीवनी 108 एम्बुलेंस होगी उपलब्ध
- एयर एम्बुलेंस सेवा में हृदय रोग, श्वास और तंत्रिका संबंधी बीमारियों, नवजात शिशुओं की स्वास्थ्य समस्याएं, उच्च जोखिम वाले गर्भधारण तथा आपदा की स्थिति को संभालने के लिये प्रशिक्षित चिकित्सक और पेरा मेडिकल स्टाफ रहेगा मौजूद
- हवाई परिवहन के दौरान रोगी/पीड़ित के लिए ₹ 50 लाख के दुर्घटना बीमा का प्रावधान

रामराज्य बनेगा हमारी पहचान
मोदी जी की गारंटी का परिणाम

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

"प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। 21वीं सदी के भारत में अपार संभावनाएं छुपी हुई हैं। हम प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश को जनहित और विकास में सबसे अग्रणी राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

एक माह के प्रयास
दो गुना हुआ विश्वास

- लाउडस्पीकर/डीजे का अनियंत्रित प्रयोग प्रतिबंधित
- खुले में मांस, मछली की बिक्री पर प्रतिबंध
- हुकुमचंद मिल के 4800 श्रमिक परिवारों को रु. 224 करोड़ का बकाया भुगतान
- तेंदूपत्ता संग्राहकों का मानदेय रु. 3 हजार प्रति बोरा से बढ़ाकर किया रु. 4 हजार, 35 लाख तेंदूपत्ता संग्राहकों को लगभग रु.165 करोड़ का लाभ
- यातायात सुगमता के लिए भोपाल में बीआरटीएस हटाने का निर्णय
- श्रीअन्न को बढ़ावा देने के लिए रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना में किसानों को प्रति किलो रु. 10 का अतिरिक्त प्रोत्साहन
- दो लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई के विस्तार के लिए रु. 5 हजार करोड़ की परियोजनाएं मंजूर
- नागरिकों की सुविधा के लिए प्रदेश में संभाग, जिले, तहसील एवं पुलिस थानों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण की प्रक्रिया प्रारंभ
- एक हजार से अधिक पुलिसकर्मियों को पदोन्नति
- उज्जैन, इंदौर और धार जिले में जहां-जहां भगवान श्रीकृष्ण के चरण पड़े हैं वहां तीर्थ स्थलों का विकास होगा
- प्रदेश में श्रीराम वन पथ गमन के विकास की कार्य योजना को चरणबद्ध तरीके से लागू करने का निर्णय
- नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के पाठ्यक्रम में वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी और रानी दुर्गावती की प्रेरणादायी वीरगाथा के विषय को शामिल करने का निर्णय
- हर जिले में एक शासकीय महाविद्यालय का पीएम उत्कृष्टता महाविद्यालय के रूप में उन्नयन
- रु. 350 करोड़ लागत से 6.67 किमी का इंदौर में बनेगा एलिवेटेड कॉरिडोर
- ग्रीन बॉन्ड जारी कर जुटाए गए रु. 308 करोड़ की राशि से खरगोन जिले के जलूद गांव में ऊर्जा संयंत्र की स्थापना
- स्वच्छ सर्वेक्षण अवॉर्ड 2023 में मध्यप्रदेश फिर आगे, इंदौर को लगातार सातवीं बार देश की स्वच्छतम सिटी का अवॉर्ड, भोपाल बना देश की स्वच्छतम राजधानी

मध्यप्रदेश शासन